

रजिस्टर्ड नं० पी०/एस० एम० 14.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 5 जुलाई, 1980/14 आषाढ़, 1902

हिमाचल प्रदेश सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग

(अनुभाग-सी)

अधिसूचना

शिमला-171002, 29 मई, 1980

क्रमांक: जी०ए०डी० (जी० आई०)-6(एफ०) 43/79.—हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियम) अधिनियम, 1979 (1979 का अधिनियम संख्या 4) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश निम्नलिखित हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियम) नियम, 1979 जो उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (3) के अनुसरण में जन-साधारण की सूचना के लिए

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) दिनांक 29 फरवरी, 1980 में सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 6 फरवरी, 1980 द्वारा प्रकाशित किए गये थे को अन्तिम रूप में सहर्ष तुरन्त लागू करने का आदेश देते हैं :—

नियम

हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियम) नियम, 1979

भाग I

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ—(1) ये नियम हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियम) नियम, 1979 के रूप में उद्धृत किए जायें।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, (जब तक) संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो—

(1) “अधिनियम” से अभिप्राय हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियम) अधिनियम, 1979 (1979 का 4) से है;

(2) “श्रोता कक्ष” से अभिप्राय भवन के उस भाग से है जहां श्रोता अथवा दर्शक चलचित्र प्रदर्शनी के दौरान बैठते हैं;

(3) “अनुमोदित चलचित्र” से अभिप्राय भारत में बने उस चलचित्र से है जिसे केन्द्रीय सरकार ने, फिल्म एडवार्जरी बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर वैज्ञानिक, शिक्षा सम्बन्धी, समाचारों तथा वर्तमान घटनाओं अथवा दस्तावेजी चलचित्र अनुमोदित किया है;

(4) “विद्युत निरीक्षक” से अभिप्राय भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 की धारा 36 के अधीन हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा नियुक्त किए गए निरीक्षण से है;

(5) “बन्द कक्ष” से अभिप्राय लाइसेंस प्राप्त स्थान के उस भाग से है जिस में अधिनियम की धारा 5 के अधीन चलचित्र उपकरण फिट किया गया हो;

(6) “कार्यकारी अभियन्ता” से अभिप्राय चलचित्र/प्रदर्शनी के लिए किसी स्थान के लाइसेंस के सम्बन्ध में उस अधिकारी से है जो उस स्थान के लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़क शाखा) के मण्डल का कार्यभार सम्भाल रहा हो जहां वह स्थान स्थित है;

(7) “बहिर्गमन द्वार” से अभिप्राय आपात कालीन स्थिति में बाहर जाने के रास्ते सहित लोगों द्वारा प्रयुक्त प्रवेश द्वार से है;

(8) “अग्नि प्रतिरोध सामग्री” से अभिप्राय है—

(क) पक्की ईंट, ठोस सीमेंट तथा पुनः पुष्टीकृत ईंट से बनी अथवा बजरी सीमेंट से बनी, जिस पर न्यूनतम 25 मि०मी० की परत हो;

(ख) पक्की मिट्टी का दृढ़ता से बनाया गया ब्लाक जिसका कोई तट अथवा किनारा मोटाई में 38 मि०मी० से कम न हो;

(ग) पत्थर, टाईलें, जिप्सम के ठोस ब्लाक, संगमरमर, लोहा, इस्पात, तांबा अदह धातु अथवा जस्त; या

(घ) ऐसी अन्य सामग्री जिसे कार्यकारी अभियन्ता अनुमोदित करें;

(9) “सरकार” से अभिप्राय हिमाचल प्रदेश सरकार से है;

- (10) "भ्रमण-चलचित्र यन्त्र" से अभिप्राय उस चलचित्रदर्शी उपकरण से है जो इस प्रकार अपनाया एवं बनाया गया हो, कि इसे चलचित्र प्रदर्शनी के लिये एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सके;
- (11) "सुरक्षित किस्म के भ्रमण चलचित्र यन्त्र" से अभिप्राय ऐसे भ्रमण चलचित्र यन्त्र से है जिसके प्रक्षेपक (प्रोजेक्टर) के लिए एक उद्दीप्त दीप (Incandescent lamp) प्रयुक्त होता हो;
- (12) "व्यस्क" से अभिप्राय ऐसे व्यक्ति से है जिसने 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो।

भाग II

3. लाईसैन्स देने की विधि.—(1) अधिनियम की धारा 5 के अधीन दिए गए लाईसैन्स या तो तीन वर्ष की अवधि के लिए होंगे अथवा अस्थायी होंगे।

(2) तीन वर्ष का लाईसैन्स केवल अधिनियम की धारा 5 के उपबन्धों के अधीन चलचित्र प्रदर्शनों हेतु स्थाई रूप से सुसज्जित भवन के सम्बन्ध में भाग-3 में नियमों के उपबन्ध के अनुसार ही दिया जाएगा। यह जारी करने की तिथि से तीन वर्ष तक वैध होगा जो लाईसैन्सधारी के आवेदन करने पर नवीकरण योग्य होगा:

परन्तु तीन वर्षीय लाईसैन्स की सूरत में, लाईसैन्स प्राप्त स्थान का वार्षिक निरीक्षण, कार्यकारी अभियन्ता और हिमाचल सरकार के विद्युत निरीक्षक द्वारा, नियम 16 की अनुसूची में निर्धारित फीस अदा करने पर किया जायेगा।

(3) उप-नियम (4) तथा भाग (5) के नियमों के अधीन किसी शहर या गांव में भ्रमण चलचित्र प्रदर्शनी के लिए एक वर्ष में कुल मिला कर छः मास की अवधि से अधिक समय के लिए अस्थायी लाईसैन्स नहीं दिया जा सकता है:

परन्तु लाईसैन्स प्राधिकारी उक्त छः मास का समय उसी वर्ष में पर्याप्त लिखित कारण के आधार पर, यदि वह उचित समझे तो अधिक समय, परन्तु छः मास से अधिक नहीं बढ़ा सकता है:

इसके अतिरिक्त यह भी उपबन्धित है कि किसी ऐसे शहर अथवा गांव के लिए कुल अवधि की गणना करते समय वह अवधि भी गिनी जायेगी जिसके लिए उसी अथवा किसी अन्य भ्रमण चलचित्र की ऐसे शहर अथवा गांव की 8 किलोमीटर की बाहरी सीमाओं के भीतर लाईसैन्स प्रदान किया गया है।

(4) भ्रमण चलचित्र के लिये लाईसैन्स केवल उसी स्थान के लिये दिया जायेगा जहां कोई स्थाई निनेमा न हो, परन्तु ऐसा लाईसैन्स ऐसे स्थान के लिये विशेष अवसरों, जैसे मेले, धार्मिक समूह अथवा किसी आवश्यकता की पूर्ति के लिये कुल तीन माह की अवधि से अधिक समय के लिए नहीं दिया जा सकता है।

4. लाईसैन्स.—लाईसैन्स चाहे तीन वर्ष की अवधि के लिए अथवा अस्थायी हो इन नियमों से संलग्न फार्म "क" में होंगे तथा उस में दिये गये प्रतिबन्धों तथा शर्तों और इन नियमों के उपबन्धों के अधीन होंगे।

5. (i) लाईसैन्स प्राप्त करने या उसके नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन-पत्र लिखित रूप में होगा तथा आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

(ii) तीन वर्षीय लाइसेंस के नवीकरण से भिन्न लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए:—

- (क) परिसर और उसमें प्रयुक्त होने वाले चलचित्र यन्त्र के स्वामित्व तथा सभी अधिकारों के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण;
- (ख) परिसरों के नक्शे, उत्थान तथा अनुभागों की दो प्रतियां दी जायें तथा उस पर बनाए गए सभी भवन और संरचनाएं 300 मि०मी० की 25 मि०मी० के पैमाने में दिखा कर नक्शे में दिखाई जाए और इन में सभी सीढ़ियों की चौड़ाई और प्रत्येक में पगों की संख्या, बरामदों, अन्य मार्गों तथा दरवाजों की चौड़ाई चलचित्र यन्त्र और विद्युत शक्ति के उत्पादन एवं परिवर्तन के संयन्त्र की ऊंचाई भी दर्शाई जानी चाहिए;
- (ग) परिसर के साथ लगने वाले निकटवर्ती परिसरों तथा उन सार्वजनिक मार्गों के सम्बन्ध में परिसरों की स्थिति दिखाते हुए तथा मोटरकारों और अन्य वाहनों को खड़ा करने के लिये प्रस्तावित प्रबन्धों को दिखाते हुए साथ लगाया जायेगा अलग पत्र पर एक स्थान रेखा चित्र दो प्रतियों में जो कि 300 मि०मी० के लिये 3 मि०मी० के पैमाने पर बनाया गया हो;
- (घ) भवन के निर्माण के लिए प्रयोग की जाने वाली प्रस्तावित विभिन्न सामग्रियों का विशिष्टीकरण।

(3) दिशासूचक यन्त्र के दिग बिन्दु (कार्डिनल प्वाइंट) नक्शे पर दिखाए जाने चाहिए तथा वह इस प्रकार रंजित हो कि भवन में प्रयुक्त सामग्रियों की सुभिन्नता दिखाए।

(4) चलचित्र प्रदर्शनी हेतु परिसरों के अनुकूल के लिए आवश्यक परिवर्तन करने से पूर्व या नए भवन की स्थिति में, इसका निर्माण शुरू करने से पूर्व इस नियम के उप-नियम (ii) आवेदन पत्र लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जायेगा।

निर्माण कार्य उस समय तक शुरू नहीं किया जायेगा तब तक कि कार्यकारी अभियन्ता प्रमाणित न करें कि परिसरों का निर्माण, वृद्धि या परिवर्तन नियमों या स्थानीय प्राधिकारी के भवन उप-नियमों, यदि कोई हो, के अनुसार है।

(5) लाइसेंस प्राधिकारी अस्थाई लाइसेंस प्राप्त करने के इच्छुक आवेदक से ऐसे परिसरों के नक्शे तथा ऐसी निर्दिष्टियां प्रस्तुत करने की मांग कर सकता है जैसे कि वह आवश्यक समझे।

6. तीन वर्ष के लाइसेंस के नवीकरण के लिए आवेदन पत्र पुराने लाइसेंस के समाप्त होने की तिथि से तीन मास पूर्व दिया जायेगा :

परन्तु यदि नवीकरण के लिए आवेदन पत्र निर्दिष्ट तिथि के पश्चात दिया जाता है तो लाइसेंस प्राधिकारी नए लाइसेंस के लिए प्रमार्थ फीस की अदायगी पर लाइसेंस का नवीकरण कर सकता है।

7. (1) लाइसेंस के नवीकरण के लिए आवेदन-पत्र पर यदि लाइसेंस प्राधिकारी किसी भी कारण से लाइसेंस की तिथि समाप्त होने से पूर्व लाइसेंस को नवीकृत करके वापिस नहीं करता या इसके नवीकरण के लिये इन्कार नहीं करता तो वह इन नियमों से संलग्न फार्म "ख" में अस्थाई परमिट प्रदान कर सकता है।

(2) ऐसा अस्थाई परमिट उसी लाइसेंस की शर्तों के अधीन होगा जिसका नवीकरण मांगा गया है और यह ऐसी अवधि जो कि दो मास से अधिक नहीं होगी, या जैसे लाइसेंस प्राधिकारी निर्देश दें, तक वैध होगा :

परन्तु आवेदक द्वारा विधिवत नवीकृत लाइसेन्स प्राप्त करने पर या उसे लाइसेन्स को नवीकरण करने के इन्कार का आदेश मिलने पर अस्थाई परमिट वैध नहीं रहेगा और वह उसे लाइसेन्स प्राधिकारी को समर्पित कर देगा।

(3) अस्थाई परमिट इसकी वैधता की अवधि के दौरान इन नियमों के प्रयोजनों के लिये लाइसेन्स समझा जायेगा।

(4) ऐसा अस्थाई परमिट प्रदान करने के लिए दस रुपये फीस उद्ग्रहीत की जायेगी, परन्तु यदि लाइसेन्स प्राधिकारी के विचार से यह हो कि परमिट का दिया जाना लाइसेन्सधारी की लापरवाही के कारण नहीं है तो फीस अथवा इसके कुछ भाग की छूट दी जा सकती है।

8. (i) लाइसेन्सधारी इन नियमों के उपबन्धों तथा अपने लाइसेन्स की शर्तों का पालन करने के लिये, हर समय, लाइसेन्स प्राप्त परिसरों के अनुरक्षण के लिए तथा इन नियमों द्वारा निर्धारित मानदण्डों की अनुरूपता के लिए तथा चलचित्र प्रदर्शनी आरम्भ करने से पूर्व सभी आवश्यक उपाय करने के लिए, जिस से आग तथा अन्य दुर्घटना से जनता तथा अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो, के लिए उत्तरदायी होगा।

(ii) जब कोई प्रदर्शनी चल रही हो तो समस्त समय के दौरान लाइसेन्सधारी अथवा इस प्रयोजन के लिये उसके द्वारा लिखित रूप से नामित व्यक्ति लाइसेन्स प्राप्त परिसरों तथा चलचित्र-यन्त्र का सामान्य प्रभारी होगा।

निरीक्षण

9. तीन वर्षीय लाइसेन्स प्रदान करने या इसका नवीकरण करने से पूर्व लाइसेन्स प्राधिकारी लाइसेन्सधारी से आवेदन-पत्र प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर:—

(क) कार्यकारी अभियन्ता को भवन की निर्माण सम्बन्धी रूपरेखा का परीक्षण करने तथा एक मास के भीतर रिपोर्ट करने के लिए कहेगा कि क्या उस से सम्बन्धित नियमों का विधिवत पालन किया गया है;

(ख) विद्युत-निरीक्षक को भवन में प्रयुक्त किये जाने वाले चलचित्र-यन्त्र तथा विद्युत उपकरणों का परीक्षण करने के लिये कहेगा तथा एक मास की अवधि के भीतर यह रिपोर्ट करने के लिये कहेगा कि क्या ये दोनों इस नियमों की तथा भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 के अनुसार तथा इसके अधीन बनाये ऐसे नियम जो लागू हो, का अनुपालन करते हैं, और क्या विद्युत के झटके से दर्शकों तथा कर्मचारियों को बचाने के लिए तथा विद्युत-उपकरणों के प्रयोग से भवन में आग लगने को रोकने के लिए उचित सावधानियां बरती गई हैं, तथा क्या निर्धारित अग्नि शमक उपकरण उपलब्ध हैं और क्या वे चालू हालत में हैं तथा जिस प्रयोजन के लिए अभिप्रेत है उसके उपयुक्त है।

(ii) ऐसे परीक्षणों में बताई गई त्रुटियां आवेदक या लाइसेन्सधारी को बतलाई जायेगी तथा लाइसेन्स प्राधिकारी के ध्यान में लाई जायेगी, जो लाइसेन्स प्रदान करने या नवीकृत करने के लिए इन्कार कर सकता है जब तक कि उन त्रुटियों को उसकी सन्तुष्टि के अनुसार दूर न किया जाए।

10. लाइसेन्स प्राधिकारी अथवा इस सम्बन्ध में उस द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी किसी भी समय उस स्थान में प्रवेश कर सकता है जिसके बारे में यह विश्वास करने के लिए उसके पास कारण हो कि वह स्थान चलचित्र प्रदर्शनी के लिए प्रयुक्त किया जा रहा है अथवा प्रयुक्त किया जाना अभिप्रेत है, ताकि वह अपने आप को सन्तुष्टि कर सके कि क्या अधिनियम के सभी उपबन्धों, उसके अधीन बनाए सभी नियमों तथा लाइसेन्स की शर्तों का पालन किया जा रहा है।

11. (i) विद्युत निरीक्षक अथवा इस सम्बन्ध में उसकी सहायता करने के लिए विशेष रूप से नियुक्त किया गया अधिकारी किसी भी समय अधिनियम की धारा 5 के अधीन लाइसेंस प्राप्त किसी भी स्थान में किसी भी समय प्रवेश कर सकता है तथा निरीक्षण कर सकता है।

(ii) ऐसे निरीक्षण में पाई गई त्रुटियां लाइसेंसधारी के ध्यान में लाई जायेंगी तथा लाइसेंस प्राधिकारी को भी इसकी रिपोर्ट दी जायेगी।

12. (i) लाइसेंस प्राधिकारी, यदि आवश्यक समझे तो सामान्य या विशेष आदेश द्वारा अधिनियम की धारा 5 के अधीन लाइसेंस प्राप्त किसी स्थान की सफाई की स्थिति का निरीक्षण करने के लिये चिकित्सा अधिकारी को प्राधिकृत कर सकता है, तथा ऐसा अधिकारी निरीक्षण करने के प्रयोजन हेतु परिसर के सभी भागों में किसी भी समय जा सकता है।

(ii) ऐसे निरीक्षणों द्वारा पाई गई त्रुटियां लाइसेंसधारी के ध्यान में लाई जायेंगी तथा लाइसेंस प्राधिकारी को भी इसकी रिपोर्ट दी जायेगी।

13. लाइसेंस, तथा उस के साथ संलग्न यदि कोई नक्शा तथा विवरण हो, लाइसेंस प्राधिकारी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी अथवा इन नियमों द्वारा जो अधिनियम की धारा 5 के अधीन लाइसेंस प्राप्त स्थान में प्रवेश करने का प्राधिकृत हो, की मांग पर दिखाया जायेगा।

परिवर्तन तथा मुरम्मत

14. (i) अधिनियम की धारा 5 के अधीन लाइसेंस प्राप्त किसी परिसर के किसी भाग में वृद्धि या परिवर्तन जो आग के कारण अथवा किसी अन्य विपत्ति अथवा किसी अन्य कारण से अवश्यक हो गया हो, लाइसेंस प्राधिकारी की स्वीकृति के बिना नहीं किया जायेगा।

(ii) लाइसेंसधारी ऐसी वृद्धि तथा परिवर्तन करने के अपने आशय की सूचना लाइसेंस प्राधिकारी को लिखित रूप में देगा तथा उसके साथ पूर्ण नक्शे, उत्थान तथा प्रभाग और निष्पादित किए जाने वाले प्रस्तावित कार्य का विवरण नियम 5 में निर्धारित ढंग से दो प्रतियों में साथ लगाया जायेगा परन्तु ऐसे परिसरों की स्थिति में जिसके लिये अस्थाई लाइसेंस दिया गया हो उसके लिए ऐसे नक्शे तथा विवरण प्रस्तुत किए जायेंगे जैसे लाइसेंस प्राधिकारी आवश्यक समझे।

(iii) जब तक लाइसेंस प्राधिकारी की सहमति प्राप्त न कर ली जाए कार्य आरम्भ नहीं होगा, तथा लाइसेंस प्राधिकारी अपनी सहमति जब तक कार्यकारी अभियन्ता प्रमाणित न कर दे कि प्रस्तावित वृद्धि तथा परिवर्तन इन नियमों के अनुसार है नहीं देगा।

(iv) चलचित्र-यन्त्र तथा इसके उपकरण के किसी भाग अथवा प्रकाश व्यवस्था अथवा अन्य विद्युत इन्तजामों में परिवर्धन तथा परिवर्तन, लाइसेंस प्राधिकारी की स्वीकृति के बिना नहीं किया जायेगा।

लाइसेंसधारी ऐसी किसी वृद्धि तथा परिवर्तन करने के लिये अपने इस आशय की सूचना लिखित रूप में लाइसेंस प्राधिकारी को देगा तथा लाइसेंस प्राधिकारी उसकी स्वीकृति तब तक नहीं देगा जब तक कि विद्युत-निरीक्षक या उस द्वारा प्रतिनियुक्त अधिकारी प्रमाणित नहीं करता कि वह वृद्धि तथा परिवर्तन इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार है।

15. मुरम्मत या पुनर्संज्जित करने के आशय से जो मंचन ढांचे या संयन्त्र अनिवार्य हो और यदि यह अभिप्रेत हो कि जनता तक ऐसे मंचन, ढांचे या संयन्त्र लगे हुए हों, अथवा प्रयोग में हो

प्रवेश करेगी तो उनकी सूचना पूर्ण स्थिति के विवरण सहित, लाइसेन्स प्राधिकारी को लिखित रूप में दी जायेगी। लाइसेन्स प्राधिकारी ऐसा उचित समझे तो परिसर जनता के लिये तब तक बन्द रहेगा जब तक कि कार्य पूर्ण न हो जाए और मंचन, ढांचा तथा सयन्त को हटाया न जाए।

फीस

16. इन नियमों की अनुसूची में दिखाई गई फीस लाइसेन्स प्रदान करने तथा लाइसेन्स के नवीकरण तथा निरीक्षण के लिए प्रामाण्य होगी।

यह फीस लाइसेन्स प्राप्त करने और नवीकरण तथा निरीक्षण के लिए आवेदन करने से पूर्व सरकारी कोष में जमा करवाई जायेगी।

अनुसूची

फीस की सारणी

(नियम 16 देखिए)

	रुपये
1. तीन वर्षीय लाइसेन्स प्राप्त करने के लिये	1,500
2. तीन वर्षीय लाइसेन्स के नवीकरण के लिए	1,000
3. प्रत्येक सप्ताह अथवा सप्ताह के भाग के लिये अस्थाई लाइसेन्स के लिए	10

परन्तु व्यावसायिक फर्मों, प्रतिष्ठानों तथा संस्थानों की स्थिति में जो अपने उत्पादन के प्रचार हेतु चलचित्र, प्रदर्शनी करें, प्रति सप्ताह 100 अथवा प्रतिदिन 20 रुपये फीस, जैसे स्थिति हो, प्रामाण्य होगी।

4. तीन वर्षीय लाइसेन्स की दूसरी प्रति के लिये	20
5. लाइसेन्स प्रदान करने अथवा नवीकरण करने हेतु कार्यकारी अभियन्ता द्वारा निरीक्षण के लिये—	
(i) प्रथम निरीक्षण के लिये	200
(ii) किसी परवर्ती निरीक्षण के लिए जो कि आवश्यक हो, ऐसी राशि जैसे कि लाइसेन्स प्राधिकारी निर्धारित करे, 200 रुपये से अधिक नहीं होगी।	
6. तीन वर्षीय लाइसेन्स प्रदान करने या नवीकरण के लिए विद्युत निरीक्षक द्वारा निरीक्षण के लिए—	
(i) प्रथम निरीक्षण के लिये	200
(ii) किसी परवर्ती निरीक्षण के लिये जो कि आवश्यक हो, ऐसी राशि जैसे कि लाइसेन्स प्राधिकारी निर्धारित करे जो रुपये 200 से अधिक नहीं होगी।	
7. भ्रमण चलचित्र-यन्त्र का विद्युत निरीक्षक द्वारा निरीक्षण करने के लिये—	
(i) प्रथम निरीक्षण के लिये	100
(ii) किसी परवर्ती निरीक्षण के लिये जो कि आवश्यक हो ऐसी राशि जैसे कि लाइसेन्स प्राधिकारी निर्धारित करे, 30 रुपये से अधिक नहीं होगी।	
(iii) भ्रमण चलचित्रों के लिए उपयुक्ता प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपियां जारी करने के लिये 2 रुपये।	

8. (i) लाइसेन्स प्राधिकारी के लिखित आदेशों के अधीन लाइसेन्स के वैध होने की अवधि के दौरान कार्यकारी अभियन्ता अथवा विद्युत निरीक्षक द्वारा किये गये निरीक्षण के लिये जैसे कि लाइसेन्स प्राधिकारी निर्धारित करें, ऐसी राशि 200 रुपये से अधिक नहीं होगी।

(ii) नियम 3 के उप-नियम (ii) के परन्तुक के अधीन वार्षिक निरीक्षण के लिये लाइसेन्स-धारी को निरीक्षण की सम्यक तिथि के कम से कम एक मास पूर्व निर्धारित फीस सरकारी कोष में जमा करा कर आवेदन पत्र देना होगा।

भाग-III

चलचित्र प्रदर्शनी हेतु तीन वर्ष की अवधि के लिये लाइसेन्स प्राप्त भवनों के सम्बन्ध में नियम

17. इस भाग में "भवन" से अभिप्राय उस भवन से है जिसके लिये नियम 18 के अधीन तीन वर्ष के लिये लाइसेन्स प्रदान किया गया है अथवा प्रदान किया जा सकता है।

18. (i) किसी भी भवन के लिये तीन वर्ष का लाइसेन्स केवल उसी स्थिति में दिया जायेगा अथवा उसका नवीकरण किया जायेगा जबकि इसकी स्थिति, बनावट, उपस्कार, विद्युत एवं अन्य उपकरण इस भाग में दिये गये नियमों के अनुरूप हों।

(ii) पिछले उप-नियम में किसी बात के होते हुए भी इन नियमों के लागू होने से पहले ही चलचित्र प्रदर्शन के लिये ऐसे भवन जिनको 3 वर्षीय लाइसेन्स प्राप्त है, उनको लाइसेन्स जितने समय के लिये सरकार ठीक समझ प्रदान किया जा सकता है या उसका नवीकरण हो सकता है।

19. स्थान (i) भवन:—

(क) यदि साउण्ड प्रूफ (Sound Proof) हो तो 60 मीटर और यदि साउण्ड प्रूफ (Sound Proof) न हो तो 200 मीटर, पूजा के स्थान, शमशान घाट, कब्रिस्तान, शव भूमि, मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाएं तथा ऐसी संस्था के साथ निवास स्थान, सार्वजनिक हस्पताल अथवा यतीमखाना जिसमें 100 या इससे अधिक सहवासी हों, से कम व्यासार्ध में नहीं होगा और सरकार द्वारा किसी प्रचलित अधिनियम के अधीन बनाये गये नगर आयोजन तथा विकास स्कीम के उपबन्धों का उल्लंघन नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण—60 मीटर या 200 मीटर घेरे का माप सिनेमा भवन के दर्शक कक्ष से बाहिर गमन द्वार से किसी भी उपरोक्त स्थान के प्रवेश द्वार तक माना जायेगा।

(ख) भवन से किसी भी स्थिति में यातायात के नियमों का उल्लंघन न होता हो, तथा, या

(ग) यह एक पृथक भवन होगा :

शर्त यह भी उपबन्धित है कि इस की अन्य भवनों से दूरी 7 मीटर से कम नहीं होनी चाहिये तथा इसके इर्द-गिर्द का स्थान बाधक नहीं होना चाहिये तथा यह इस प्रकार का होगा कि आग लगने अथवा आतंक की स्थिति में जो लोग भवन में बैठे हैं वह शीघ्रता से बाहर निकल सक तथा उस स्थान पर अग्नि शमन इंजन एवं अग्निशमन यन्त्र आसानी से आ सके :

इस के साथ ही यह भी उपबन्धित है कि यदि भवन में एक हजार से अधिक व्यक्तियों के बैठने का स्थान हो तो उसकी अन्य भवनों से दूरी इतनी होगी जितनी की लाइसेन्स प्राधिकारी लिखित आदेश द्वारा अपेक्षित करेगा। अथवा यह खुले मार्ग से सटा हुआ होना चाहिये, वह दो अथवा इस से अधिक सार्वजनिक मार्ग से सटा हुआ तथा इसका अग्र मार्ग पर्याप्त लम्बाई में होना चाहिये जहां से कि प्रत्येक समय आसानी से बाहर जाया जा सके। सार्वजनिक मार्ग अथवा खुले स्थानों की

चौड़ाई इतनी होनी चाहिये कि जिससे आग की स्थिति में कक्ष में बैठे लोग शीघ्रता से बाहर निकल सकें तथा अग्नि शमन इंजन तथा यन्त्र वहां लाए जा सकें :

शर्त यह है कि इन में से एक की चौड़ाई पटरियों सहित कम से कम 10 मीटर होनी चाहिये तथा यह आर-पार आने वाली सड़क होगी :

इसके साथ ही यह भी शर्त है कि ऐसे भवनों में जहां एक हजार से अधिक व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था हो वहां सार्वजनिक मार्ग अथवा खुले स्थानों की चौड़ाई तथा उसका अग्रभाग इतना चौड़ा होगा जितना कि लाइसेंस प्राधिकारी अपने लिखित आदेश द्वारा अपेक्षित करे।

(ii) अग्रभाग को पर्याप्त लम्बाई का तभी माना जायेगा यदि वह ताकों तथा प्रक्षेपों को छोड़कर भवन के स्थल की कुल सीमा का लगभग आधा भाग हो :

किन्तु यदि वे आधे से कम हो तो सरकार की पूर्व स्वीकृति के बिना लाइसेंस प्रदान नहीं किया जायेगा।

(iii) भवन का निर्माण किसी अन्य भवन के निचले तल अथवा ऊपरी भाग पर लाइसेंस प्राधिकारी की लिखित विशेष सहमति के बिना नहीं किया जाएगा।

20. भवन का कोई भी भाग कारखाने, कार्यशाला अथवा भण्डारण के लिये अथवा होटल के रूप में अथवा आवास के लिये अथवा खाने अथवा पेय पदार्थों को तैयार करने के लिए, जैसा कि लाइसेंस प्राधिकारी लिखित आदेश द्वारा अनुमति दे, को छोड़ कर अन्यथा प्रयोग अथवा काम में नहीं लाया जायेगा।

21. बाहरी दीवारें.—(i) भवन की बाहरी अथवा बीच की दीवारें, ईंट, मिट्टी, पत्थर, नालीदार चादर अथवा सीमेंट, रोड़ी की होगी।

(ii) जहां भवन किसी अन्य भवन के निकट हो उसे उस भवन से अग्नि प्रतिरोधी सामग्री द्वारा निर्मित दीवारों और संरचना से इस ढंग से पृथक किया जायेगा जैसा कि लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित हो तथा दीवार अथवा भवन का कोई भी झरोखा जिससे कि समीप के भवन में आग लग सके, साथ वाले भवन में नहीं खुलेगा।

(iii) भवन का कोई भी झरोखा जो कि निकट के स्थान पर, जिसमें ज्वलनशील संरचना की गई हो अथवा जहां पर ज्वलनशील सामग्री रखी गई हो खुलता हो तो वह लाइसेंस प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार सुरक्षित रखा जायेगा।

22. संरचना सम्बन्धी आवश्यकता.—(i) भवन के सभी फर्श, बीथियां, स्तम्भ, खम्बे, जोड़, कैचियां, सीढ़ियां, मध्यमंच अग्नि प्रतिरोधी सामग्री से निर्मित किये जायेंगे।

(ii) विभाजक दीवार का निर्माण अग्नि प्रतिरोध सामग्री अथवा कम से कम 5 सेंटीमीटर मोटी लकड़ी जो कि कार्यकारी अभियन्ता द्वारा कठोर लकड़ी के रूप में प्रमाणित की गई हो, द्वारा किया जायेगा।

(iii) भवन के ऊपर छत होगी। सभी कमरों के ऊपर की छतें तथा झालरें अग्नि प्रतिरोध सामग्री अथवा कोम्प्रेस्ड (Compressed) अथवा कृत्रिम सामग्री जो कि अग्नि प्रतिरोधी हो तथा जिससे कार्यकारी अभियन्ता द्वारा इस प्रयोजन के लिये उपयुक्त प्रमाणित किया गया हो, से बनाई जाएगी।

(iv) सभी फर्श, बीथियां, लैंडिंग (Landings) कोरीडोर (Corridor) तथा उनके आधार फर्श प्रति 35 वर्ग सेंटीमीटर की दर से 45 किलोग्राम का स्थाई भार

सहन करने की क्षमता रखने वाले होंगे तथा अन्यथा भार की स्थिति में प्रत्येक स्थिति अथवा लैंडिंग काफी मजबूत होना चाहिये जो कि किसी भी दिशा में 136 कि० ग्राम के विशिष्ट भार को सहन करने की क्षमता रखता हो।

(v) जहाँ पर पहली पंक्ति अथवा बीथी, दुकानों के ऊपर जाती हों वहाँ दुकानों के फर्शों तथा ऐसी पंक्तियों अथवा बीथी के बीच की दूरी किसी भी भाग में 3.40 मीटर से कम नहीं होगी। बीथी के फर्श के सब से ऊँचे भाग तथा उसी पर कमरे की छत के सब से निचले भाग की ऊँचाई किसी भी भाग पर 3.650 मीटर से कम नहीं होगी। किसी पंक्ति के बीच तथा इसके ऊपर पंक्ति अथवा कमरे की छत की ऊँचाई किसी भी अवस्था में 2.440 मीटर से कम नहीं होगी।

23. मेल तथा पानी का निकास.—(i) भवन तथा इसके अहाते में, यदि कोई हो, से मेल तथा पानी का निकास लाइसेंस प्राधिकारी की सन्तुष्टि के अनुसार होना चाहिए।

(ii) लाइसेंस प्राधिकारी की लिखित अनुमति को छोड़कर अन्यथा भवन को सब से नीचे वाली मंजिल का निर्माण ऐसे स्तर पर नहीं किया जाएगा जहाँ से कि मल निकास अच्छी तरह से न हो सके।

24. स्थान.—(i) भवन में बैठने वाले दर्शकों की कुल संख्या, बैठने अथवा खड़े होने के लिये उपलब्ध क्षेत्र के 20 प्रति 9.290 वर्ग मीटर अथवा कक्ष के फर्श के कुल क्षेत्र का 20 प्रति 12.402 वर्ग मीटर से अधिक नहीं होगी।

(ii) लाइसेंस की शर्तों के अनुसार भवन के किसी भाग में दर्शकों की कुल संख्या जिस को अनुमति दी गई हो के बारे में नोटिस या तो प्रवेश द्वार पर अथवा चलचित्र कक्ष में किसी विशिष्ट स्थान पर लगाया जायेगा।

25. बैठने की व्यवस्था.—(i) भवन में बैठने की व्यवस्था इस प्रकार की जायेगी कि बाहिर गमन द्वार तक आसानी से पहुँचा जा सके।

(ii) प्रत्येक व्यक्ति के लिये बैठने का स्थान जहाँ पीठ की व्यवस्था हो 710 मि० मी० से कम ऊँचा नहीं होना चाहिये तथा जहाँ पीठ की व्यवस्था न हो यह 610 मि० मी० से कम नहीं होना चाहिये तथा जहाँ बाहिर द्वार कुर्सियों की व्यवस्था हो यह स्थान 510 मि० मी० से कम चौड़ा नहीं होना चाहिये। बाहिर द्वार कुर्सियों की व्यवस्था न होने की स्थिति में यह स्थान 455 मि० मी० से कम चौड़ा नहीं होना चाहिये।

टिप्पणी.—(i) प्रत्येक पंक्ति में बैठने के स्थान की व्यवस्था इस प्रकार की जायेगी कि दृष्टि की सीध में कोई बाधा उत्पन्न न हो तथा दृष्टि का कोण 35 डिग्री से अधिक नहीं होना चाहिये।

टिप्पणी.—(ii) प्रथम फरवरी 1958 से पूर्व निर्मित सिनेमाघरों को छोड़कर कक्ष के फर्श की ढलान औसतन 455 मि० मी० में 25 मि० मी० के उतार होगी।

टिप्पणी.—(iii) दोहरे झुकाव के ढलान वाले सिनेमाघरों की स्थिति में चलचित्र कक्ष के फर्शों में पिछले भाग को ढलान 455 मि० मी० में 25 मि० मी० जब कि सामने वाले झुकाव की अवस्था में 610 मि० मी० में 25 मि० मी० होगी।

(iii) बैठने वाले स्थान की पंक्तियों को इस प्रकार लगाया जायेगा कि लम्बे रूप में सामने पर एक बैठने के स्थान तथा उसके पीछे वाले बैठने के स्थान की बाजू तथा चौखटे के बीच का अन्तर स्पष्टतया 300 मि० मी० से कम न हो।

(iv) निजी कोष्ठकों को छोड़कर बैठने के सभी स्थानों को सुरक्षित ढंग से फर्श के साथ जोड़ दिया जायेगा। यदि इसे पटरी को सहायता से अथवा कड़ियों द्वारा फर्श के साथ पुष्ट किया गया हो तो पूरा जोड़ दृढ़ता से फर्श के साथ सम्बद्ध किया जायेगा।

(5) चलचित्र पर्दे तथा बैठने के स्थान की पहली पंक्ति के बीच की दूरी कम से कम निम्न-होगी :-

- (i) 9 मीटर तक चौड़ाई वाले पर्दे के सिनेमा घरों में पर्दे की चौड़ाई के समान बशर्ते कि यह कम से कम 7.6 मीटर हो।
- (ii) 9 मीटर से अधिक चौड़ाई से युक्त पर्दे वाले सिनेमाघरों में पर्दे की चौड़ाई का $\frac{3}{4}$ भाग, किन्तु कम से कम 9 मीटर।

टिप्पणी:—मंस्थापित पर्दे के अनुमार पर्दे तथा प्रथम पंक्ति की सीटों के बीच के स्थान को रिक्त छोड़ा जायेगा और इसमें इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया जाएगा कि पर्दे के किसी भाग का अथवा पूरे पर्दे का प्रयोग हो रहा है।

(6) चलचित्र का नीचे वाला किनारा जो कि चलचित्र प्रदर्शन के पर्दे पर प्रदर्शित किया जाना है, दर्शक कक्ष की लम्बाई के अनुसार सीटों की प्रथम पंक्ति में दर्शक कक्ष की सतह से 1.675 मि० मी० से 2.130 मि० मी० तक की ऊंचाई तक होगा।

(7) (क).—दर्शक कक्ष की प्रत्येक पंक्ति “क” “ख” “ग” आदि विशिष्ट पहचान चिन्हों द्वारा संकेतिक की जायेगी तथा प्रत्येक पंक्ति की प्रत्येक सीट को क्रमांकित किया जायेगा। क्रमांक किसी प्रमुख स्थान पर अंकित किये जायेंगे ताकि सीट का आसानी से पता लगाया जा सके।

(ख) लाइसेंसधारी यह सुनिश्चित करेगा कि बुकिंग क्लर्क द्वारा किसी भी चलचित्र प्रदर्शन के लिये जारी किये जाने वाले प्रत्येक टिकट में अलग सीट क्रमांक दिया गया है।

टिकट खरीदने वाला टिकट पर दिये गये क्रमांक वाली सीट धारण करने का अधिकारी होगा। सीट का क्रमांक टिकट के उस भाग पर दिया जायेगा जो कि टिकट खरीदने वाले के पास रहेगा ताकि शंका की स्थिति में अथवा मांगने पर इसे निरीक्षण के लिये प्रस्तुत किया जा सके।

26. मार्ग.—(i) भवन में निम्नानुसार कम से कम 1.115 मि० मी० चौड़ाई का मार्ग रखा जायेगा:—

- (क) दर्शक-कक्ष की प्रत्येक दिशा में नीचे की ओर।
- (ख) बैठने के स्थान के मध्य से नीचे की ओर 7.6 मीटर तक के अन्तर पर।
- (ग) बैठने के स्थान के समान्तर ताकि बहिर्गमन द्वार तक सीधे तौर पर पहुँचा जा सके। शर्त यह है कि प्रत्येक 10 पंक्तियों के लिये एक से अधिक मार्ग नहीं होगा।

(ii) सभी मार्ग, बहिर्गमन द्वार, मार्ग तथा पैर रखने के स्थान तथा सीढ़ियों के ऊपर की सतह निर्माण-कोन फिसलने वाला रखा जायेगा।

(iii) यदि मार्गों को दरियों, चटाइयों तथा फर्श आवरणों द्वारा ढका गया हो तो इन्हें फर्शों के साथ सुरक्षित ढंग से जोड़ा जायेगा।

(4) उप-नियम (6) के उपबन्धों के अनुसार लगाये जाने वाले रस्सी के अवरोधों को छोड़ कर, बहिर्गमन मार्ग तथा बहिर्गमन द्वार तक जाने वाले मार्ग को किसी भी प्रकार के अवरोधों से रहित रखा जायेगा। प्रदर्शनी के दौरान मार्गों पर किसी भी अवस्था में न तो अतिरिक्त सीटें लगाई जायेंगी और न ही दर्शकों को मार्ग से खड़े होने की आज्ञा दी जायेगी जिससे कि मार्ग में कोई रुकावट हो और उनकी चौड़ाई कम हो जाये।

(5) यदि मार्ग अथवा रास्तों में सीढ़ियाँ बनानी हों तो यह किसी एक स्थान पर तीन सीढ़ियों से अधिक नहीं होनी चाहिये। पैर रखने के स्थान 380 मि० मी० से कम चौड़े नहीं होने चाहिये तथा ये समान चौड़ाई तथा ऊंचाई के होंगे।

(6) मार्गों अथवा अन्य स्थानों पर रस्सी के रोक कल्प अथवा गांठों से जोड़े जायेंगे जो मध्य में थोड़े से दबाव से अलग हो सके तथा वह फर्श पर लटके नहीं।

(7) बोधियों के मार्गों में जहाँ मार्गों का झुकाव 15 से अधिक हो इस प्रकार के निचले भाग में फर्श की सतह से कम से कम 1.065 मी० ऊपर सुरक्षा पट्टियों की व्यवस्था की जायेगी।

27. सीढ़ियाँ.—(1) भवन की ऊपरवाली मंजिल अथवा कोई विधि जिसका कि लोगों द्वारा प्रयोग किया जाना है उन तक पहुँचने के लिये कम से कम 1.200 मीटर चौड़ाई की दो सीढ़ियाँ होनी चाहियें।

(2) सीढ़ियों की प्रत्येक ऊँचाई पर पैर रखने के स्थान तथा खड़े पटटे समान चौड़ाई तथा ऊँचाई से होंगे। पैर रखने के स्थान कम से कम 280 मि० मी० चौड़े तथा खड़े पटटे अधिक से अधिक 175 मि० मी० ऊँचे होंगे।

(3) उसमें कोई वाइंडर (Winder) नहीं होंगे।

(4) सीढ़ियों की दोनों ओर लगातार जंगला लगा होगा।

(5) कोई सीढ़ी बहिर्गमन द्वार, रास्ते या बरामदों की दिशा के सामने या उस पर नहीं होगी।

28. बहिर्गमन द्वार.—(1) भवन के प्रत्येक सार्वजनिक भाग में पर्याप्त संख्या में बहिर्गमन द्वारों की व्यवस्था इस प्रकार की जायेगी कि वे दर्शकों को सुरक्षित एवं शीघ्रता से बाहर निकलने में सहायक सिद्ध हो सकें।

(2) दर्शक कक्ष में प्रत्येक पंक्ति, मंजिल अथवा बीधी में से प्रत्येक 100 व्यक्तियों के लिए अथवा उसके भाग के लिए कम से कम एक बहिर्गमन द्वार की व्यवस्था होगी शर्त यह है कि प्रत्येक ऊपरी मंजिल अथवा बीधी में ऐसे दो द्वारों से कम नहीं होंगे। शर्त यह भी है कि मंचन या प्लेटफार्म पर या उस के रूप में बने बहिर्गमन द्वार इस नियम द्वारा अपेक्षित बहिर्गमन द्वार नहीं गिने जायेंगे।

(3) दर्शक कक्ष का प्रत्येक बहिर्गमन द्वार खुलने पर कम से कम 2.130 मी० ऊँचा तथा 1.520 मी० चौड़ा होगा।

(4) दर्शक कक्ष से बहिर्गमन द्वारों का दोनों दिशाओं तथा उनके पिछे वाले भाग में उचित खुला स्थान रखा जायेगा तथा ये दो अथवा इस से अधिक आम रास्तों अथवा खुले स्थान पर खुलेंगे जहाँ से हर समय लोग शीघ्रता से इधर उधर आ जा सकें।

(5) दर्शक-कक्ष से भवन के अन्तिम बहिर्गमन द्वार तक पहुँचाने वाले प्रत्येक मार्ग अथवा बरामदे की चौड़ाई इतनी होगी जो कि लाईसेंस प्राधिकारी की राय में आपात कालीन स्थिति में भवन छोड़ने के लिये प्रयोग करने वाले व्यक्ति को बिना किसी भीड़ के खतरे के अथवा जमाव के बिना प्रयोग कर सकें। कोई भी ऐसा मार्ग अथवा बरामदा किसी भी स्थान पर 1.520 मी० की चौड़ाई से कम नहीं होगा तथा इस की चौड़ाई बहिर्गमन द्वार के अन्तिम स्थान की दिशा में कम नहीं होगी।

(6) भवन के बाहर निकलने के अन्तिम स्थानों की कुल चौड़ाई इतनी होगी कि भवन में बिठाये जाने वाले प्रत्येक 100 व्यक्तियों के भवन से बाहर जाने के लिये कम से कम 1.520 मी० हो।

(7) सभी बहिर्गमन द्वार बाहर की ओर खुलेंगे तथा उन्हें इस प्रकार फिट किया जायेगा कि वे किसी भी मार्ग, रास्ते, बरामदे, सीढ़ी अथवा लैंडिंग (Landing) में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न करें।

(8) सभी बहिर्गमन द्वारों तथा उन सभी द्वारों जिन से लोगों को बाहर के खुले स्थानों तक पहुँचने के लिये गुजरना पड़ता है, को लोगों के भवन में रहते हुए पूरे समय के लिए बाहर जाने के लिये उपलब्ध कराना पड़ेगा तथा इस अवधि के दौरान इन में ताला अथवा चटखनी नहीं लगाई जायेगी।

(9) दर्शक कक्ष के सभी बहिर्गमन द्वार तथा सभी दरवाजे अथवा प्रवेश द्वार मुख्य प्रवेश द्वार को छोड़कर जो लोगों के भवन से बाहर जाने के उद्देश्य से बनाए गये हैं, पर बड़े अक्षरों में "बहिर्गमन द्वार" शब्द लिखा जायेगा जो कि कम से कम 175 मि० मी० ऊँचे होंगे तथा उन्हें इस प्रकार प्रदर्शित किया जायेगा कि वे प्रकाश तथा अन्धेरे दोनों में स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हों।

(10) अन्य सभी दरवाजों तथा प्रवेश द्वारों का निर्माण इस प्रकार किया जायेगा कि वे बहिर्गमन द्वारों से स्पष्टतः भिन्न लगे। उन पर "यह रास्ता आम नहीं है" शब्दों द्वारा नीचे दिये गये

ढंग से इंगित किया जा सकता है परन्तु भवन से किसी भी भाग में “बाहर जाने का रास्ता नहीं” शब्दों की सूचना नहीं लगाई जायेगी। “(यह रास्ता आम नहीं है)”।

29. भुगतान कक्ष, नियन्त्रण कक्ष आदि.—भुगतान कक्षों, नियन्त्रण कक्षों एवं परिसरों के बैठने के स्थानों को भवन में इस प्रकार निश्चित किया जायेगा कि वे बाहर जाने के रास्ते में बाधक न हों। कोई शीशा, चित्र, सूचनाएँ अथवा विज्ञापनों को दीवार के साथ इस प्रकार लगाया अथवा लटकाया जायेगा, कि वे बाहर के रास्ते में बाधक न हों। उन्हें दीवारों के साथ सीधा लगाया जायेगा अथवा उन्हें फर्श के ऊपर सिर तक की ऊँचाई से ऊपर अर्थात् 2.130 मी० की ऊँचाई पर रखा जायेगा।

30. सामान रखने को स्थान.—(1) भवन के बरामदों, मार्गों तथा सीढ़ियों में टोप तथा कपड़े लटकाने की व्यवस्था नहीं की जायेगी।

(2) जहाँ सामान रखने के कमरों की व्यवस्था की गई हो वे ऐसे स्थानों पर होनी चाहिये जिससे कि उन्हें प्रयोग में लाने वाले व्यक्तियों के कारण बहिर्गमन द्वार के प्रयोग में बाधा उत्पन्न न हों।

31. वायु संचार.—(1) भवन में खुली वायु से वायु संचार के प्रयाप्त साधनों की व्यवस्था होनी चाहिये।

(2) जब तक कि दर्शक-कक्ष वातानुकूल न हो वायु संचार प्राकृतिक अथवा बिजली से चलने वाले वायु निष्कासन पंखों द्वारा किया जायेगा जो कि उपयुक्त आकार तथा स्थिति में वांछित प्रयोजन के अनुसार होंगे।

(3) जहाँ वायु संचार की व्यवस्था खिड़कियों, झरोखों आदि के माध्यम से की गई हो जिन्हें अन्धकारमय एवं धुन्धला करना पड़ता हो वहाँ ऊँचे अथवा छत के रोशनदानों द्वारा स्थाई वायु संचारण की व्यवस्था करनी होगी। ऐसे रोशनदानों का स्पष्ट आकार वहाँ पर बैठने वाले प्रत्येक 10 व्यक्तियों के हिसाब से कम से कम 30 वर्ग सें० मी० होगा।

(4) दो चलचित्र प्रदर्शनों के बीच कम से कम 20 मिनट का अन्तर होना चाहिये प्रत्येक चलचित्र प्रदर्शन में कम से कम 10 मिनट का मध्यान्तर होगा। दो प्रदर्शनों के बीच के अन्तर तथा मध्यान्तर के समय सभी दरवाजे तथा रोशनदान खुले रखे जायेंगे तथा सभी निष्कासन एवं अन्य पंखों की पूरी गति पर चलाया जायेगा ताकि पूरा दर्शक-कक्ष वायु से परिपूर्ण हो जाए।

32. स्वच्छता की व्यवस्था.—(1) भवन तथा अहाता, यदि कोई हो, को नानी, शौचालय अथवा अन्य गन्दे स्थानों से आने वाली दुर्गन्ध से मुक्त रखा जायेगा।

(2) पुरुषों तथा महिलाओं के लिये अलग अलग शौचालयों तथा मुतालियों की व्यवस्था की जायेगी। शौचालयों को प्रत्येक प्रदर्शनी से पूर्व तथा पश्चात् तुरन्त साफ अथवा स्वच्छ किया जायेगा तथा इन्हें दिन में कम से कम दो बार फिनायल अथवा अन्य साफ करने वाले द्रव्य से धोया जायेगा।

33. गाड़ी खड़ी करने की व्यवस्था.—(1) भवन के निकट मोटर कार तथा अन्य वाहनों को खड़ा करने की व्यवस्था वैसे ही की जायेगी जैसे कि लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित हो।

(2) किसी वाहन को इस प्रकार खड़ा नहीं किया जायेगा अथवा खड़े करने की अनुमति नहीं दी जायेगी जिस से कि आग अथवा आतंक की स्थिति में भवन में बिठाये जाने वाले व्यक्तियों को शीघ्रता से बाहर निकालने में बहिर्गमन द्वार को अवरोध करें या बाधा उत्पन्न करें।

24. आग से बचने के लिए सावधानियाँ.—(1) भवन के स्वरूप तथा ढाँचे के अनुसार लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किस्त तथा क्षमता के अग्निशमक यन्त्रों की व्यवस्था, लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जैसा निर्धारित हो के अनुसार की जाएगी। इन यन्त्रों को उसकी मन्तृष्टि के अनुसार ऐसे स्थानों पर रखा जायेगा जहाँ से उन्हें भवन के किसी भी भाग में आग लगने की स्थिति में आसानी से उपलब्ध करवाया जा सके।

(2) बन्द कक्ष में आग के वचाव के पर्याप्त साधन उपलब्ध होने चाहिये तथा इनमें गोला, कम्बल, सुबाह्य रासायनिक अग्नि शामक यन्त्र तथा सूखे रेत की दो बालटियां शामिल हैं।

(3) सभी अग्नि शामक यन्त्र हर समय ठीक हालत तथा तत्काल प्रयोग के लिये उपलब्ध होंगे तथा सभी रासायनिक अग्नि शामक यन्त्र कम से कम 113 कि० ग्राम प्रति 6.4 वर्ग सै० मी० के हिसाब से दबाव की क्षमता के होने चाहिये।

(4) प्रदर्शन के समय सभी अग्नि शामक यन्त्र, विशेष रूप से इस कार्य के लिए नियत किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के प्रभार में रहेंगे। ऐसे व्यक्तियों को इस कार्य के लिये पूर्ण रूप से नियोजित करने की आवश्यकता नहीं है। परन्तु उन्हें प्रदर्शन के समय कोई ऐसा अन्य कार्य नहीं दिया जायेगा जिसके लिये उन्हें भवन से बाहर जाना पड़े अथवा खतरे या अग्नि के अलार्म के समय तरन्त उपलब्ध न हो सके।

(5) भवन के कुशल विद्युत संवाहक की व्यवस्था होगी।

बाद कक्ष, चलचित्र यन्त्र प्रकाश इत्यादि

35. बन्द कक्ष.—चलचित्र उपकरण ठोस निर्माण के बन्द कक्ष में रखा जायेगा जिसका परिमाण ऐसा होगा कि जब चलचित्र प्रदर्शनी उपकरण तथा अन्य आवश्यक साज-सामान उसमें स्थापित किया जाये तो उसमें प्रचालक अथवा प्रचालकों को स्वतन्त्रता से काम करने के लिए पर्याप्त स्थान रह जाए।

36. (i) बन्द कक्ष दश-कक्ष से बाहर बनाया जाएगा।

(ii) यह पूरी तरह से स्वतः पूर्ण होगा तथा इसमें केवल चलचित्र प्रदर्शनी उपकरण अग्नि शमन यन्त्र तथा ऐसे नियन्त्रण उपकरण रखे जायेंगे जो इसमें रखे जाने अत्यन्त आवश्यक हों।

37. बन्द कक्ष का केवल एक प्रवेश द्वार होगा जिसका उस भवन के किसी भाग से सम्पर्क नहीं होगा जिसमें जनता की पहुँच हो।

38. बन्द कक्ष तथा उसके द्वार को आच्छादित करने वाले कोई साज सामान अग्नि-प्रतिरोधी सामग्री के बनाए जायेंगे।

39. बन्द कक्ष में वायुसंचार के उचित तथा पर्याप्त साधन ऐसे ढंग से रखे जायेंगे कि इसका भवन के किसी उस भाग से कोई सम्पर्क नहीं हो जिसमें ऐसे वायुसंचार के साधनों के माध्यम के द्वारा जनता को अन्दर प्रविष्ट किया जाता हो।

40. बन्द कक्ष के सामने द्वारों की संख्या दो प्रक्षेपण द्वारों, जो प्रत्येक क्षेत्र में 3232 वर्ग सै० मी० से अधिक नहीं तथा प्रत्येक चलचित्र प्रदर्शनी उपकरण अथवा प्रक्षेपक के लिये एक निरीक्षण द्वार जो क्षेत्रफल में 32 वर्ग सै० मी० से अधिक नहीं होगा, ऐसे सभी द्वार इस प्रकार संचालित पदों से सुसज्जित होंगे कि केवल एक प्रक्षेपण द्वार यथा एक निरीक्षण द्वार किसी एक समय खुले रह सकते हों तथा सभी द्वार बन्द कक्ष के भीतर तथा बाहर दोनों ओर से ही सुविधाजनक स्थानों से अपने आप बन्द हो सकते हों।

41. कोई भी अतूल्याकालिक (Non-Synchronous) मशीन लाइसेंस प्राधिकारी को लिखित आज्ञा के बिना बन्द कक्ष में नहीं रखी जायेगी अथवा बन्द कक्ष से प्रचालित नहीं की जायेगी।

42. लाइसेंसधारी द्वारा नियोजित योग्यता प्राप्त प्रचालक तथा विद्युत निरीक्षक द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र का धारक अथवा नियम 89 के अधीन लाइसेंसधारी द्वारा विधिवत प्राधिकृत प्रशिक्षु के

अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को चलचित्र की प्रदर्शनी के समय बन्द कक्ष में प्रवेश करने अथवा बन्द कक्ष में रहने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

43. जहां पर किसी प्रबन्धक अथवा किसी स्वामी के पास प्रचालक का प्रमाण पत्र हो तो एक दूसरा योग्यता प्राप्त प्रचालक अवश्य नियुक्त करना होगा जो चलचित्र की पूरी अवधि के दौरान बन्द कक्ष में ड्यूटी पर रहेगा।

44. कोई भी ज्वलनशील पदार्थ अनावश्यक रूप में बन्द कक्ष में नहीं लाया जाएगा अथवा उसमें नहीं रहने दिया जाएगा, बन्द कक्ष के भीतर किसी समय भी धूम्र पान की अनुमति नहीं होगी, तथा उसमें कोई खुली बत्ती भी प्रयुक्त नहीं की जायेगी।

45. प्रेक्षक, उपकरण तथा फिल्में.—चलचित्र प्रदर्शनी प्रेक्षक अग्नि प्रतिरोधी सामग्री से निर्मित ठोस आधारों पर रखे जाएंगे तथा इनमें धातु शटर की व्यवस्था की जायेगी जिसे आसानी से रोशनी के स्रोत और फिल्म द्वार के बीच रखा जा सके। इस शटर को चलचित्र प्रदर्शनी उपकरण में अप्रत्याशित घटना की स्थिति में अथवा फिल्म के रुकने की स्थिति में तत्काल गिरा दिया जाएगा तथा इसे केवल तभी ऊपर उठाया जाएगा जब प्रेक्षण के प्रयोजन के लिये फिल्म चल रही हो।

46. फिल्म द्वार ठोस निर्माण का होगा तथा इसमें ऊष्मा विकिरणकारी सतह की व्यवस्था की जायेगी, फिल्म के लिये रास्ता प्रकाश द्वार से ऊपर अथवा नीचे की ओर प्रगामी चमक को रोकने के लिये पर्याप्त तंग होगा।

47. चलचित्र प्रदर्शनी प्रेक्षकों के साथ दो ठोस निर्माण फिल्म बक्से होंगे जहां को तथा जहां से फिल्मों को चलाया जायेगा। फिल्म वाक्स ऐसे ढंग से बन्द किये जाएंगे तथा इस प्रकार के निर्मित फिल्म छिद्रों के साथ जोड़े जायेंगे जो वाक्स के भीतर रास्ते को अथवा चमक को रोक सकें।

48. फिल्म की चरखियां अग्नि प्रतिरोधी सामग्री के बने चैन, गियर अथवा बैल्ट से चलाई जायेगी तथा फिल्में उस पर लपेटी जायेगी ताकि लपेटी हुई फिल्म किसी समय भी फिल्म की चरखी के कार के किनारों से परे न पहुंचे अथवा प्रक्षेपित न हों।

49. फिल्मों को पुनः लपेटने का कार्य बन्द कक्ष में उस समय नहीं किया जाएगा जब चलचित्र की प्रदर्शनी चल रही हो।

50. चलचित्र प्रदर्शनी के दौरान जो फिल्में प्रयोग में न हों सभी को धातु के बक्सों में बन्द रखा जायेगा।

51. 90 कि० ग्राम से अधिक ज्वलनशील चलचित्र प्रदर्शनी फिल्में उस परिसर में नहीं रखी जायेगी जिस से यह लाइसेंस सम्बन्धित है, जब तक कि भारत में विस्फोटकों के मुख्य निरीक्षक से एक विशिष्ट लाइसेंस न प्राप्त कर लिया गया हो जैसा कि चलचित्र प्रदर्शनी फिल्म नियम, 1948 द्वारा अपेक्षित है।

52. लपेटन कक्ष (Winding Room).—(1) फिल्मों को पुनः लपेटने के लिये एक अलग कक्ष की व्यवस्था की जायेगी जो अग्नि प्रतिरोधी सामग्री से निर्मित किया जायेगा।

(2) लपेटन कक्ष में सभी साज-सामान तथा उपस्कर अग्नि-प्रतिरोधी सामग्री से निर्मित किए जायेंगे तथा प्रवेश द्वार में तंग फिटिंग के अपने-आप बन्द होने वाले दरवाजे की व्यवस्था होगी तथा इसका बन्द कक्ष, दर्शक कक्ष अथवा भवन के किसी भाग से सम्पर्क नहीं होगा जिसमें से जनता को प्रविष्ट किया जाता है।

53. रोशनी तथा बिजली का संस्थापन—विद्युत प्रकाश के अतिरिक्त भवन में कोई अन्य प्रकाश स्रोत प्रयुक्त नहीं किया जायेगा।

54. (1) दर्शक कक्ष उसमें बाहर की ओर के बहिर्गमन द्वारों तथा किसी रास्ते, कोरीडोर, (Landing) तथा सीढ़ियों सहित बहिर्गमन द्वारों की स्थिति को दर्शाने वाले नोटिसों तथा भवन के सभी भागों जिन में से जनता प्रविष्ट होती है, के लिये पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की जायेगी।

(2) उस सारे समय के दौरान जब जनता दर्शक कक्ष में उपस्थित हो तो दर्शक कक्ष के प्रकार से भिन्न अन्य प्रयोजनों के लिये पर्याप्त रूप से रोशनी की व्यवस्था होगी ताकि जनता को बाहर जाने के रास्ते स्पष्ट दिखाई दें।

55. दर्शक कक्ष में चलचित्र प्रदर्शनी के लिये लाइसेन्स प्राप्त भवन या स्थान में दो अलग-अलग तथा स्वतन्त्र विद्युत के स्रोतों में से लिए गए दो स्वतन्त्र प्रकार सर्कटों की व्यवस्था की जायेगी। एक सर्कट (इसके पश्चात सामान्य प्रकाश सर्कट के रूप में उल्लिखित) जो बन्द कक्ष में प्रविष्ट नहीं होना चाहिये उसमें सभी बहिर्गमन के चिन्ह तथा भवन के सभी मार्गों की रोशनी जहाँ से जनता प्रविष्ट की जाती है सम्मिलित हो सकती है तथा वह भवन में विद्युत प्रदाय के मुख्य सोर्स से जुड़ा होगा, तथा दूसरा सर्कट (इसके पश्चात आपातकाली प्रकाश सर्कट के रूप में उल्लिखित) पूर्ण रूप से दर्शक कक्ष के प्रकाश के लिये प्रयुक्त किया जायेगा तथा वह बन्द कक्ष के भीतर सुविधाजनक स्थान से नियन्त्रित किया जायेगा तथा वह विद्युत प्रदाय के दूसरे स्वतन्त्र स्रोत से जुड़ा होगा जो उससे भिन्न होगा तथा जो सामान्य प्रकाश सर्कट के लिए प्रयुक्त किया जाता हो, प्रत्येक चलचित्र प्रदर्शनी के प्रारम्भ होने से पहले प्रचालक द्वारा यह पता लगा लिया जायेगा कि आपातकाल सर्कट के लिये प्रदान किया गया विद्युत प्रदाय का स्वतन्त्र स्रोत सन्तोषजनक स्थिति में है तथा आपातकाल की स्थिति में तत्काल प्रयोग के लिये उससे विद्युत प्रदाय उपलब्ध।

56. (1) आपातकालीन, प्रकाश सर्कट कम से कम तीन लैम्पों को विद्युत प्रदान करेगा जो इस तरह व्यवस्थित होंगे कि जिससे एक मात्र दोष सभी लैम्पों को न बुझा सके।

(2) बन्द कक्ष के भीतर तथा बाहर दोनों से ही आपातकाली प्रकाश सर्कट के लिये द्विदिक्तीय नियन्त्रण अपनाया जा सकता है बशर्ते कि बन्द कक्ष के बाहर से नियन्त्रण उपयुक्त रूप से इंगित किया गया हो और उसे उसी बोर्ड पर न रखा जाए जिस पर सामान्य रोशनी सर्कटों के कोई सर्कट हो तथा ऐसी स्थिति में रखा जाए कि जिसे सिनेमा स्टाफ के सदस्य द्वारा तत्परता से प्रयोग किया जा सके परन्तु जनता की पहुँच से बाहर हो।

57. (1) चलचित्र प्रदर्शनी लैम्पों के विद्युत प्रदाय के लिये एक अलग तथा भिन्न सर्कट की व्यवस्था की जायेगी। ऐसा सर्कट नियम 59 के अनुसरण में अपेक्षित एक उपयुक्त मुख्य स्विच तथा फ्यूज द्वारा नियन्त्रित होगा तथा प्रत्येक लैम्प के लिए इसके अतिरिक्त एक डबल पोल आइरन कलैंड स्विच तथा फ्यूज से पूर्णतया संलग्न बन्द कक्ष के भीतर एक सुविधाजनक स्थान में रखा जायेगा।

(2) जब चलचित्र प्रदर्शनी लैम्प कार्य कर रहा हो तो डबलपोल स्विच के अन्त पर विद्युत का दबाव 110 बोल्टों से अधिक नहीं होगा।

58. पंखों को विद्युत प्रदाय के लिये एक अलग तथा भिन्न सर्कट की व्यवस्था की जायेगी।

59. (1) सामान्य आपातकाल, प्रक्षेपक तथा बन्द कक्ष सर्कटों तथा सभी पंखों के सर्कटों के लिए भवन में विद्युत प्रदाय के साधन के लिये, जहाँ तक सम्भव हो सके, अलग मुख्य स्विच तथा मुख्य कट-आउटों की व्यवस्था की जायेगी बशर्ते कि आपातकाल प्रकाश के मुख्य स्विच तथा कट

आउटों को उपयुक्त रूप से दर्शाया जाए तथा उन्हें उसी बोर्ड पर किसी अन्य नियन्त्रण की भांति नहीं लगाया जाए।

(2) सभी मुख्य स्विच, मीटर तथा भवन में विद्युत प्रदाय के स्रोत के समीप संस्थापित अन्य विद्युत के उपकरण जो पूर्णतया इसी प्रयोजन के लिए प्रयुक्त किए जाएं एक अलग बन्द कक्ष में, जो जनता की पहुंच से बाहर हो में रखा जायेगा।

60. इन नियमों में विशिष्ट उपबन्धों के सिवाय बिजली का संस्थापन ऐसे विनिर्देशनों के अनुसार होगा जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर शासकीय राजपत्र में अधिसूचना द्वारा निर्धारित किया जाये।

61. (1) बन्द कक्ष के भीतर तथा आपातकाल प्रकाश सर्कट के लिए तारें कसी हुई नली में होंगी परन्तु जहां पर लचीली तारें आवश्यक हों उनका लचीला भाग या तो इस्पात के कवच का होगा अथवा उपयुक्त लचीली धातु के इस्पात ट्यूबिंग में बन्द होगी।

(2) बन्द कक्ष के भीतर कोई अनावश्यक शिथिल विद्युत तार (कैबल) नहीं होंगे तथा सभी कैबल लोक (Runs) तथा सम्भव छोटे तथा सीधे होंगे।

62. बन्द कक्ष में सभी स्विच, कट-आऊट, प्रतिरोधी, रोशनी, पंखे तथा अन्य सभी विद्युत के उपकरण अग्नि प्रतिरोधी सामग्री से बने आधार पर रखे जायेंगे तथा जहां व्यवहार्य हो, इनमें सभी जलने वाले भागों को बन्द करने वाले शक्तिशाली धातु के कवर होंगे। स्विच कवर इस ढंग से व्यवस्थित किए जायेंगे कि वे तब तक नहीं खोले जा सकें जब तक कि स्विच "आफ" स्थिति में न हो।

63. विद्युत प्रदाय लाईनों को सहारा देने वाला अथवा रक्षित करने वाला धातु का सभी कार्य भूमि में दो अलग तथा भिन्न सम्पर्कों द्वारा प्रयाप्त रूप से अर्थ (Earth) किया जायेगा। भूमि के साथ कनेक्शन का प्रतिरोध एक ओम (Ohm) से अधिक नहीं देगा तथा सभी अर्थिंग लीड (earthing lead) इस प्रकार होंगे कि प्रत्येक की दिशा जल्दी ही ढूंढी जा सके। जहां पर अर्थिक लीड दीवारों में से जाते हैं अथवा फर्शों के अन्दर रखे जाते हैं उनको उचित ढंग से सुरक्षित रखा जायेगा।

64. प्रतिरोधक पूर्णतया अग्नि-प्रतिरोधी सामग्री के बनाए जायेंगे तथा उनका निर्माण इस प्रकार किया जायेगा तथा इस अवस्था में रखे जायेंगे कि कोई भी कायल (coil) अथवा अन्य भाग किसी समय भी अनुचित रूप से इतना गर्म न हो जाये अर्थात् वे इतने गर्म नहीं हो कि प्रतिरोधक के किसी भाग के साथ सम्पर्क में रखा गया कोई कागज का टुकड़ा तत्काल जल जाए। विनियमित करने के प्रयोजनों के लिए प्रतिरोधक के सिवाये सभी प्रतिरोधक बन्द कक्ष के बाहर तथा भवन के उस भाग में रखे जायेंगे जिसमें जनता को प्रविष्ट नहीं किया जाता है।

65. उन सभी लटकती हुई फिटिंग अथवा उपकरण, छोटे एक-एक लैम्प वाले लटकनों को छोड़ कर जो उस भवन के फर्श के स्तर से जहां से जनता प्रविष्ट की जाती है, 30-40 मि०मी० से कम ऊंचाई पर फिट किए गए हों तो उनके लिये चालकों (conductor) से अलग सन्तोषजनक साधनों की व्यवस्था की जायेगी।

66. विद्युत शक्ति के उत्पादन के लिए अथवा शीतन के प्रयोजनों के लिए संयन्त्र तेल इंजिन अथवा अन्य आदि-प्रवर्तक (प्राइम मूवर) मुख्य सर्कट परिणामित (ट्रांसफार्मर) परिवर्तित (कन्वर्टर) अथवा परिशोधक (रेक्टिफायर) ऐसे कक्ष अथवा कक्षों में रखे जायेंगे जिसका निर्माण तथा स्थिति

लाइसेंस प्राधिकारी के अनुमोदन के अनुसार होगी ।

67. विद्युत संचालकों को, जब तक उन्हें विशिष्ट रूप से आरक्षित कमरों अथवा कक्षों में संस्थापित नहीं किया जाता, उन्हें विद्युतरोधी तथा अग्नि प्रतिरोधी सामग्री के निर्मित अथवा उससे बने अस्तर के ठोस खोलों में पूरी तरह से बन्द किया जायेगा, विद्युत घटकों में अथवा सैलुलायड के धारकों में संचायकों को संस्थापित भंडारित अथवा प्रयुक्त नहीं किया जायेगा ।

68. विद्युत तापक यन्त्र अथवा रेडियेटर भवन के किसी उस भाग में प्रयुक्त नहीं किए जायेंगे जहां से जनता प्रविष्ट होती है परन्तु लाइसेंस प्राधिकारी की सहमति से तथा ऐसी शर्तों के अधीन जैसे वह निर्धारित करें, ऐसा किया जा सकेगा ।

69. विद्युत संस्थापन के सभी सर्कटों तथा उप-सर्कटों के प्रबन्ध वितरण बोर्डों की स्थिति तथा कैबल के आकार को स्पष्टतया से निदेशित करने वाला फ़्रेम में लगा खाका अथवा, अनुसूची, भवन में प्रदर्शित किया जायेगा तथा उसे अद्यतन (up-to-date) रखा जायेगा ।

70. विद्युत संस्था उस सारे समय के दौरान जब तक जनता भवन में हो, एक संक्षम इलैक्ट्रिशियन के प्रभार में होगा ।

71. चलचित्र प्रदर्शनी के दौरान भवन में नियुक्त स्टाफ के सभी सदस्य तथा परिचारिक रोशनी के बन्द हो जाने की स्थिति में संकटकाल के प्रयोग के लिए अपने पास विद्युत टार्चें रखेंगे ।

भाग 4

अस्थायी रूप से लाइसेंस प्राप्त स्थानों में परिभ्रमण चलचित्र द्वारा प्रदर्शनों के लिए विशेष

नियम

72. इस भाग के नियम अस्थायी रूप से लाइसेंस प्राप्त स्थानों में परिभ्रमण चलचित्र प्रदर्शनों के लिए लागू होंगे ।

73. जिस दिन प्रदर्शनी हो उससे एक वर्ष के समय के अन्दर का विद्युत निरीक्षक द्वारा चलचित्र प्रदर्शनों के उपकरण के प्रयोग के लिये यह प्रमाण-पत्र होना चाहिए कि यह उपकरण बिना किसी जन-खतरे के प्रयोग हो सकते हैं :

परन्तु चलचित्र उपकरण एक स्थान से दूसरे स्थान को बदलने की अवस्था में तब तक प्रदर्शनी नहीं होगी जब तक चलचित्र उपकरणों तथा विद्युत संस्थापन को नये स्थान पर विद्युत निरीक्षक द्वारा पुनरीक्षित न किये जायें और यह प्रमाणित न किया जाये कि वह प्रचलित भारतीय विद्युत नियमों के अनुसार है ।

74. (1) परिभ्रमणकारी चलचित्र प्रदर्शन के उपकरण जो जनता के लिये प्रदर्शित करने के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं वे विद्युत निरीक्षक के पास वार्षिक निरीक्षण के लिये उस कस्बे में लाए जायेंगे जहां पर विद्युत अधिनियम, 1910 के अधीन लाइसेंस प्रदान किया गया है ।

(2) यदि ऐसे निरीक्षण के पश्चात विद्युत निरीक्षक संतुष्ट हो कि परिभ्रमण चलचित्र प्रदर्शन उपकरण जनता के लिए बिना संकट के प्रयोज्य है तो वह इस सम्बन्ध में एक प्रमाण-पत्र जारी करेगा ।

75. चलचित्र प्रदर्शन उपकरण अग्निसह बन्दकक्ष में रखे जायेंगे :

बशर्ते कि यदि चलचित्र प्रदर्शन उपकरण विद्युत निरीक्षक द्वारा निरापद प्रकार के परिभ्रमण चलचित्र प्रदर्शन के रूप में प्रमाणित किया जाता है तो अग्निसह बन्दकक्ष प्रदान करने की कोई आवश्यकता नहीं है, परन्तु 1.820 मी० पृथक स्थान (इसके पश्चात "आरक्षित स्थान" के रूप में उल्लिखित) चलचित्र प्रदर्शन उपकरण के इर्द-गिर्द घेरे के रूप में लगाया जायेगा।

76. ज्वलनशील अथवा चलनशील स्वरूप की सामग्री से निर्मित अथवा इसके साथ आच्छादित तम्बू अथवा मण्डप अथवा किसी आश्रयस्थल अथवा संरचना में दिए गए प्रदर्शनों की स्थिति में; चलचित्र प्रदर्शनी उपकरण ऐसे तम्बू, मण्डप आश्रयस्थल अथवा संरचना के बाहर से संचालित किए जायेंगे तथा नियम 75 के उपबन्धों के अनुसार उससे कम से कम 1.820 मी० की दूरी पर रखे जायेंगे।

77. लाइसेंसधारी द्वारा नियोजित तथा विद्युत निरीक्षक द्वारा प्रदान किए गए प्रमाणपत्र का धारक अथवा नियम 89 के अधीन लाइसेंसधारी द्वारा विधिवत प्राधिकृत किसी प्रशिक्षु के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को चलचित्र प्रदर्शनी के दौरान बन्द कक्ष अथवा "आरक्षित स्थान" में प्रवेश करने या वहां रहने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

78. बन्द कक्ष में अथवा "आरक्षित स्थान" में किसी ज्वलनशील वस्तु को अनावश्यक तौर पर ले जाने अथवा उसमें रहने देने की अनुमति नहीं दी जायेगी और न ही उसमें धूम्रपान करने की अनुमति दी जायेगी, और तथा उसमें कोई खुली बत्ती भी प्रयुक्त नहीं की जायेगी।

79. कोई पर्दा तथा अनारक्षित ज्वलनशील सामग्री सिवाय उस सामग्री के जिससे फर्श निर्मित होता हो, चलचित्र प्रदर्शनी उपकरण के 1.820 मी० के अन्दर रखी जायेगी।

80. निम्नलिखित अग्निशमन यन्त्रों अर्थात् एक रेत की बाल्टी, पानी की दो बाल्टियों, एक गीला कम्बल तथा लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत प्रतिमान, दर्जे तथा क्षमता का वहनीय रसायनिक अग्निशमक तथा ऐसे अन्य यन्त्र जो लाइसेंस प्राधिकारी निर्धारित करें, की व्यवस्था की जायेगी, वे इस तरह से व्यवस्थित किए जायेंगे कि बन्दकक्ष के भीतर आग लगने की स्थिति में प्रयोग के लिये तत्काल उपलब्ध हो सके।

81. सभी फिल्में जो प्रयोग में न हो वे सुरक्षा से बन्द किए गए अग्निशमन प्रतिरोधी पात्रों में रखे जायेंगे।

82. बहिर्गमन के पर्याप्त साधनों की व्यवस्था की जायेगी जैसे कि लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किये जायें।

83. पूर्ववर्ती नियम की सामान्यता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना चलचित्र प्रदर्शनी के प्रयोजन के लिए कोई तम्बू, मण्डप अथवा इसी प्रकार की संरचना प्रयुक्त नहीं की जायेगी यदि यह दीवार अथवा दीवारों के साथ बन्द हो जो बाहर जाने (Agrees) के पर्याप्त साधनों की अनुमति नहीं देते तथा जो ऐसे तम्बू, मण्डप अथवा इसी तरह की संरचना के 9.145 मी० के भीतर निर्मित किए गये हों।

84. बैठने की व्यवस्था इस प्रकार से की जायेगी कि बहिर्गमन द्वार तक पहुंचने में कोई रुकावट न हो तथा बहिर्गमन द्वार और रास्ते दोनों ही तथा उन तक जाने वाले गलियारे प्रदर्शन के पूरे समय में सभी अवरोधों से मुक्त रखे जायेंगे।

84-क. परिभ्रमणकारी चलचित्र प्रदर्शनों के द्वारा प्रदर्शनियों के लिये अस्थायी रूप से लाइसेन्स प्राप्त स्थान-निम्नलिखित स्थानों से 200 मी० के घेरे के भीतर नहीं होगा:—

- (1) धार्मिक स्थान, शमशान भूमि, कब्रिस्तान, शवभूमि, अथवा
- (2) मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्था जैसे कालेज, हाई स्कूल अथवा कन्या पाठशाला अथवा ऐसी शिक्षण संस्था से सम्बद्ध कोई आवासीय संस्था, अथवा
- (3) अधिक संख्या वाले रोगी कक्ष वाला सार्वजनिक अस्पताल, अथवा
- (4) एक सौ अथवा इससे अधिक सहवासियों वाला कोई अनाथाश्रम, अथवा
- (5) घनी आबादी वाला आवासीय क्षेत्र जो या तो पूर्णतया आवासीय हो अथवा इसके लिये आरक्षित हो अथवा सामान्यतः आवासीय प्रयोजनों के लिए जोकि व्यावसायिक प्रयोजनों से भिन्न हो, प्रयुक्त किया जाना हो, तथा
- (6) किसी भी रूप में यातायात नियमों का उलंघन न होता हो।

भाग 5

प्रचालक तथा प्रशिक्षु

85. (1) चलचित्र प्रदर्शनी के दौरान बन्द कक्ष कम से कम 18 वर्ष की आयु के योग्यता प्राप्त ऐसे प्रचालक के प्रभार में होगा जिसके पास विद्युत निरीक्षक द्वारा दिया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र हो कि वह चलचित्र प्रदर्शन को सम्भालने तथा प्रचालन करने में सक्षम है।

(2) किसी प्रचालक को तब तक प्रमाण-पत्र नहीं दिया जायेगा—

- (क) जब तक कि वह चलचित्र प्रदर्शन मशीनों का कार्यसाधन ज्ञान तथा उस मशीन का तकनीकी ज्ञान न रखता हो जिस के प्रचालन के लिए वह उस समय नियुक्त है,
- (ख) चलचित्र प्रदर्शन की प्रदर्शनियों से सम्बन्धित नियमों तथा आग के प्रति सावधानियों से पूर्णतया परिचित न हों,
- (ग) अग्निशमन सम्बन्धी अतिदुतगामी तथा प्रभावशाली साधनों से परिचित न हो।
- (घ) विद्युत शक्ति के तत्वों, सीधे तथा प्रत्यावर्ती करंट, बोल्टेज, एम्पियरज इत्यादि का उचित ज्ञान न रखता हो, तथा
- (ङ) फिल्मों के सम्भालने, लपेटने, मुरम्मत करने तथा कुशलता से सफाई करने में निपुण न हों,

(3) विद्युत निरीक्षक लिखित रूप में कारणों को रिकार्ड करके उस के द्वारा दिए गए प्रमाणपत्र को वापस ले सकता है।

(4) प्रमाणपत्र के देने तथा वापस लेने के सम्बन्ध में विद्युत निरीक्षक लाइसेन्स प्राधिकारी के सामान्य पर्यवेक्षण के अधीन काम करेगा।

(5) प्रमाणपत्र देने की फीस पांच रुपये होगी परन्तु दूसरी प्रति 2 रुपये के भुगतान पर दी जा सकती है।

86. उस सारे समय में जब प्रदर्शनी चल रही हो प्रचालक प्रभारी बन्द कक्ष में उपस्थित रहेगा तथा वह अपना पूरा ध्यान उस सारे समय के दौरान चलचित्र प्रदर्शन की ओर देगा, वह यह भी देखेगा कि नियम 90 तथा नियम 42, 44, 49 अथवा 77, 78, 79 जैसी भी स्थिति हो के उपबन्धों का दृढ़ता से पालन किया जा रहा है।

87. (1) किसी चलचित्र प्रदर्शनी के प्रारम्भ होने से पहले प्रचालक प्रभारी इस सम्बन्ध में अपने आप को सन्तुष्ट करेगा कि सभी केवल, लीड, कनेक्शन तथा प्रतिरोधक तथा साथ ही बन्द कक्ष में अग्निशमक यन्त्र ठीक कार्य करने की स्थिति में हैं।

(2) प्रतिरोधक यदि निरन्तर अवलोकित न किए जाते हों तो उन्हें प्रत्येक प्रदर्शन के दौरान कम से कम एक बार निरीक्षित किया जायेगा, यदि कोई त्रुटि पाई जाती है तो करंट को तत्काल बन्द कर दिया जायेगा तथा वह तब तक बन्द रहेगी जब तक कि त्रुटि को दूर नहीं कर दिया जाता।

88. प्रचालक प्रभारी फिल्म को मशीन से 30 मी० प्रति मिनट से अधिक की गति पर नहीं चलने देगा।

89. लाइसेन्सधारी द्वारा विधिवत प्राधिकृत प्रशिक्षु को बन्द कक्ष के भीतर जाने की अनुमति दी जा सकती है, ऐसा प्रशिक्षु 16 वर्ष की आयु से कम नहीं होगा तथा उसे प्रभारी प्रचालक की उपस्थिति के अतिरिक्त चलचित्र प्रदर्शन प्रचलित करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

90. कोई भी व्यक्ति शराब अथवा अन्य मादक नशे में होते हुए चलचित्र प्रदर्शन प्रचलित नहीं करेगा अथवा बन्द कक्ष के भीतर नहीं जायेगा।

91. प्रत्येक व्यक्ति जिसके पास अधिनियम की धारा 5 के अधीन लाइसेन्स हो, लाइसेन्स प्राधिकारी को नियोजित प्रचालकों की सूची प्रस्तुत करेगा तथा जब कभी वह कोई प्रचालक नियुक्त करता है तो उसे काम प्रारम्भ करने की अनुमति देने से पहले वह लाइसेन्स प्राधिकारी तथा विद्युत निरीक्षक को उसके बारे में विवरण प्रस्तुत करेगा।

91. (क) हिमाचल प्रदेश चलचित्र नियम, 1955 जो 1-11-1966 से पूर्व हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रों में लागू है तथा पंजाब चलचित्र (विनियम) नियम, 1952 जो पंजाब पुनर्गठन के परिणामस्वरूप 1-11-1966 के बाद हिमाचल प्रदेश में शामिल हुए क्षेत्रों में लागू है, निरस्त किये जाते हैं।

भाग 6

अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (3) के अधीन अपील

92. लाइसेन्स प्राधिकारी के निर्णय की सूचना मिलने के 30 दिनों के अन्दर इस निर्णय से निराश व्यक्ति अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (3) के अधीन राज्य सरकार को सामान्य प्रशासन विभाग में अपनी अपील दायर करेगा।

भाग 7

विविध शर्तें

93. लाइसेन्सधारी इस अधिनियम के अधीन बनाए गए सभी नियमों का अनुपालन करेगा।

94. अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (4) के अधीन समय-समय पर जारी किए गए ऐसे निर्देशों और पूर्ववर्ती नियमों में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त लाइसेन्सधारी, चाहे तीन वर्ष की अवधि का हो अथवा अस्थायी एतदधीन दी गई शर्तों के अध्वधीन होगा:—

- (1) चलचित्र प्रदर्शनी के लिए सहायक के रूप में कोई आतिशबाजी प्रयुक्त नहीं की जायेगी,
- (2) सिवाए उसके जिसको लाइसेन्स प्राधिकारी लिखित आदेश द्वारा आज्ञा दें कोई भी लाउड-स्पीकर, ग्रामोफोन, बैड, ड्रम, बैल, हार्न विसिल, साइरन अथवा किसी भी प्रकार

का संगीत उपकरण का प्रयोग लाइसेंस प्राप्त स्थान के अन्दर या बाहर विज्ञापन के लिए या व्यक्तियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए का प्रयोग नहीं किया जायेगा और न ही कोई ऐसा ढंग अपनाया जायेगा जो लाइसेंस प्राप्त स्थान के बाहर व्यक्तियों को मनोरंजन प्रदान करता हो ।

- (3) किसी भी फिल्म का कोई भी इशतहार, विज्ञापन, रेखाचित्र, रूपरेखा, कार्यक्रम लाइसेंस प्राप्त स्थान के अन्दर या बाहर प्रदर्शित नहीं किया जायेगा और न ही बेचा या वितरित किया जायेगा जो कि नैतिकता के लिए हानिकारक हो, अपराध को उत्साहित करे या उत्तेजित करे और जो खलबली उत्पन्न करे या जनता के किसी भी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाए अथवा जीवित व्यक्तियों के प्रतिनिधित्व की अश्लील अभिव्यक्ति करें ।
- (4) किसी भी फिल्म का प्रदर्शन करने से कम से कम 48 घण्टे पहले लाइसेंसधारी फिल्म के विषय की रूपरेखा उस जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को देगा जिसमें लाइसेंस प्राप्त भवन स्थित हो । और रूपरेखा में यह लिखा जाये कि चलचित्र को (ए) अथवा (यू) प्रमाणपत्र प्राप्त है :
परन्तु जिला मैजिस्ट्रेट लिखित रूप में दिए गए कारणों से इस नियम के उपबन्धों में ढील दे सकता है और फिल्म की उचित रूपरेखा के बदले में एक पर्चा जिसमें फिल्म का संक्षिप्त विवरण दिया गया हो, को स्वीकार कर सकता है ।
- (5) लाइसेंसधारी, लाइसेंस प्राधिकारी की आज्ञा के बिना लाइसेंस को या लाइसेंस प्राप्त स्थान को या चलचित्र को किसी भी दूसरे व्यक्ति को न ही सौंपेगा और न ही शिकमी पर देगा और न ही अन्यथा हस्तान्तरित करेगा और न ही लाइसेंसधारी, जैसाकि पूर्वकथित है, बिना आज्ञा के किसी भी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस अवधि के दौरान लाइसेंस प्राप्त स्थान में फिल्म दिखाने की आज्ञा देगा ।
- (6) यदि लाइसेंस प्राप्त स्थान पर कोई दुर्घटना हो जाए और इस दुर्घटना के कारण किसी व्यक्ति को चोट लग जाती है अथवा उससे व्यक्तिगत चोट या जानहानि की संभावना हो सकती हो तो लाइसेंसधारी को ऐसी दुर्घटना के बारे में लाइसेंसधारी और हिमाचल प्रदेश सरकार के बिजली निरीक्षक को दुर्घटना के होने के 24 घण्टे के अन्दर लिखित रूप में सूचना देनी होगी, और यदि दुर्घटना के परिणाम स्वरूप जानहानि हो तो इस की सूचना शीघ्रगामी तार (एक्सप्रेस टेलीग्राम) द्वारा दी जायेगी और दुर्घटना के घटित होने के 24 घण्टे के अन्दर इसकी पुष्टि लिखित रूप में की जायेगी । हिमाचल प्रदेश के बिजली निरीक्षक अथवा किसी अन्य अधिकारी जो कि उसकी सहायता के लिए विशेष रूप से इस कार्य के लिए नियुक्त किया गया हो, के द्वारा निरीक्षण तथा जांच पड़ताल निलम्बित रहने तक लाइसेंसधारी दुर्घटना स्थल में किसी प्रकार का दखल नहीं देगा और न ही वहां से दुर्घटना के समय विद्यमान किसी भी विद्युत और मशीनी यन्त्रों, तारों, साजसामान इत्यादी जोकि दुर्घटना के सम्बद्ध हो, को हटायेगा ।
- (7) जिला मैजिस्ट्रेट की पूर्ववर्ती लिखित आज्ञा के बिना लाइसेंस प्राप्त अहाता चलचित्र प्रदर्शन के इलावा अन्यथा किसी भी अन्य कार्य के लिये प्रयोग नहीं किया जायेगा ।
- (8) लाइसेंसधारी किसी भी फोटो, चित्र या इशतहार जो ऐसे दृश्य या चित्र को चित्रित करे या प्रतिनिधित्व करने का आभास करवाए जिसे फिल्म सेंसर के केन्द्रीय बोर्ड अथवा केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अधीन किसी फिल्म से काट दिया गया हो, को न तो चित्रित करेगा या करवायेगा ।
- (9) 18 वर्ष की आयु से कम किसी व्यक्ति को सिवाये रविवार, हिमाचल सरकार द्वारा अधिसूचित अवकाश अथवा किसी ऐसे दिन जब शिक्षा संस्थान बन्द हों, 3 बजे सायं से पहले आरम्भ होने वाली प्रदर्शनी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा ।
परन्तु यह प्रतिबंध 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को लागू नहीं होगा ।

फार्म 'क'

हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियमन) अधिनियम, 1977 की धारा 5 के अधीन तीन वर्षीय लाइसेन्स

अस्थायी

..... जिला में नगर के अन्दर
 (ख) पर स्थित (क) नाम से

प्रसिद्ध भवन/स्थान को हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियमन) अधिनियम, 1979 की धारा 5 के अधीन ऐसे स्थान के तौर पर जहां पर प्रदर्शनी चलचित्र यन्त्र के माध्यम से हो सकती है, लाइसेन्स दिया जाता है।

यह लाइसेन्स (ग) को प्रदान किया जाता है और तक प्रवृत्त रहेगा वशर्त की उपरोक्त (ग) अथवा कोई दूसरा व्यक्ति जिसको लाइसेन्स प्राधिकारी की अनुमति से लाइसेन्स हस्तान्तरित किया गया हो जोकि पूर्वोक्त (क), में प्रयोग में लाए जा रहे चलचित्र यन्त्र का मालिक बना रहे अथवा उसका प्रबन्ध करता रहे।

यह लाइसेन्स हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियमन) अधिनियम, 1979 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपन्धों और निम्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अध्वधीन दिया जाता है:

- (क) भवन का नाम इत्यादि
- (ख) गली का नाम अथवा मुहल्ला
- (ग) लाइसेन्सधारी का नाम

शर्तों की अनुसूची

1. सभी भवन तथा दूसरे विनियमन जो कि नगरपालिका उपबिधि द्वारा अथवा किसी अन्य विधि अथवा उस समय लागू किसी भी अन्य विधि के अन्तर्गत लगाए गए नियम जो जन मनोरंजन के स्थानों में लागू हों, का दृढ़ता से अनुपालन किया जायेगा।

2. नियम 18 के अपवाद II के अनुसार कोष्ठों में दिए गए शब्द जो लागू नहीं होते काट दीजिए।

लाइसेन्स प्राप्त भवन/स्थान हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियमन) नियम, 1979 के भाग-III/II के अनुसार ठीक तरह रखे जायेंगे। (उसके साथ संलग्न छूट के प्रमाणपत्र में उपबन्धित के सिवाये)।

3. निम्नलिखित अग्नि यन्त्र जुटाए जायेंगे, उदाहरणतया ;

(लाइसेन्स प्राधिकारी यहां नियम, 34 के अनुसार विभिन्न प्रकार के अग्नि यन्त्र जोकि आवश्यक समझे जाते हैं की संख्या दर्ज करेगा और विवरण देगा कि कहां कहां इनकी व्यवस्था की जायेगी)।

4. यह शर्त अस्थाई लाइसेन्स में हटाई जा सकती है। लाइसेन्सधारी, लाइसेन्स प्राप्त स्थान/भवन में सीटों का वर्गीकरण तथा उनके दर जैसाकि लाइसेन्स प्राधिकारी ने अनुमोदित किये हैं और नीचे लिखे हैं, उनका पालन करेगा और लाइसेन्स प्राधिकारी की अनुमति के बिना इन में कोई भी

किसी प्रकार का संशोधन या परिवर्तन नहीं करेगा।

वर्ग	*दर्शकों की संख्या जो उसमें बैठ सकते हैं	प्रवेश दर
.....
.....
.....

*यहां लाइसेंस प्राधिकारी नियम 24 के उपबन्धों को विशेष तौर पर ध्यान में रखते हुए दर्शकों की संख्या लिखेंगे जो चलचित्र कक्ष के विभिन्न भागों में स्थान ले सकते हैं।

5. चलचित्र प्रदर्शनी के लिए सहायक के रूप में कोई आतिशबाजी प्रयुक्त नहीं की जायेगी।

6. लाइसेंस प्राधिकारी के लिखित आदेश द्वारा दी गई आज्ञा के बिना अन्यथा कोई भी लाउडस्पीकर ग्रामोफोन, बैड, बैल, हार्न, सीटी, साईरब अथवा किसी भी प्रकार का संगीत उपकरण लाइसेंस प्राप्त स्थान के अन्दर या बाहर विज्ञापन के लिए या व्यक्तियों का ध्यान आकर्षित करने के लिये प्रयोग नहीं किया जायेगा और न ही ऐसे ढंग को अपनाया जायेगा जो कि लाइसेंस प्राप्त स्थान के बाहर व्यक्तियों को मनोरंजन प्रदान करता हो।

7. चलचित्रदर्शी अधिनियम, 1918 (1918 का 11) की धारा 6 के अधीन गठित किसी प्राधिकारी द्वारा बिना किसी निर्बन्धन के जनता प्रदर्शनी के योग्य अथवा केवल व्यस्कों और तीन वर्ष से कम आयु वाले गोदी के बच्चों के लिए सीमित प्रदर्शनी के योग्य प्रमाणित की गई फिल्म के सिवाये और जब वह प्रदर्शित की जाए तो उस पर प्राधिकारी द्वारा दिया गया निर्धारित चिन्ह अंकित हो और उस पर ऐसा चिन्ह अंकित करने के पश्चात किसी भी ढंग से उसमें परिवर्तन न किया हो और नष्ट न किया हो तो ऐसी फिल्म के इलाका अन्यथा कोई फिल्म लाइसेंसधारी न तो स्वयं प्रदर्शित करेगा अथवा न ही प्रदर्शित करने की आज्ञा देगा।

8. किसी भी फिल्म का कोई भी इशतहार, विज्ञापन, रेखाचित्र, रूपरेखा, कार्यक्रम लाइसेंस प्राप्त स्थान के अन्दर या बाहर प्रदर्शित नहीं किया जायेगा और न ही बेचा या वितरित किया जायेगा जोकि नैतिकता के लिए हानिकारक हो, अपराध को उत्साहित करे और जो खलबली उत्पन्न करें या जनता के किसी भी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाए अथवा जिसमें जीवित व्यक्तियों के प्रतिनिधित्व की अश्लील अभिव्यक्ति हो।

9. पहली बार किसी भी जिले में फिल्म का प्रदर्शन करने के कम से कम 48 घण्टे पहले लाइसेंसधारी फिल्म के विषय की रूपरेखा उस जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को देगा जिसमें लाइसेंस प्राप्त भवन स्थित है।

परन्तु जिला मैजिस्ट्रेट किन्हीं कारणों से जोकि लिखित रूप में दिए गए हों, उप-नियम के उपबन्धों में ढील दे सकता है और फिल्म की उचित रूपरेखा के बदले में एक पर्चा जिसमें फिल्मों का संक्षिप्त विवरण दिया हो, को स्वीकार कर सकता है।

10. लाइसेंसधारी जब कभी और जितनी बार सरकार चाहे निःशुल्क अथवा पारिश्रमिक की ऐसी शर्तों पर जो कि सरकार नियत करे फिल्में तथा सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई लैंटरन स्लाइड्स दिखाएगा :

परन्तु लाइसेंसधारी एक समय ही ऐसी फिल्म या लैटरन स्लाइडज नहीं दिखाएगा जिनके प्रदर्शन में 15 मिनट से अधिक समय लगता हो या जब तक ये फिल्में या सलाइड मनोरंजन शो शुरू होने के कम से कम 24 घण्टे पहले उसे न दिए जाएं।

11. लाइसेंस प्राधिकारी की आज्ञा के बिना लाइसेंसधारी लाइसेंस को चलचित्र यन्त्र को किसी भी दूसरे व्यक्ति को न ही सौंपेगा और न ही शिकमी पर देगा और न ही अन्यथा हस्तान्तरित करेगा और न ही लाइसेंसधारी बिना आज्ञा के जैसाकि पूर्व कथित है किसी भी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस के प्रभावी होने की अवधि के दौरान लाइसेंस प्राप्त स्थान में फिल्म दिखाने की आज्ञा देगा।

12. यदि लाइसेंस प्राप्त स्थान पर कोई दुर्घटना हो जाए और दुर्घटना में किसी व्यक्ति को चोट लग जाती है अथवा उससे व्यक्तिगत चोट या जनहानि की संभावना हो तो लाइसेंसधारी को ऐसी दुर्घटना के बारे में लाइसेंस प्राधिकारी को और हिमाचल प्रदेश सरकार के विजली निरीक्षक को दुर्घटना के घटित होने के 24 घण्टे के अन्दर लिखित रूप में सूचना देनी होगी, और यदि दुर्घटना के परिणाम स्वरूप जानहानि हो तो इसकी सूचना शीघ्रगामी (एक्सप्रेस टेलीग्राम) द्वारा दी जाएगी और दुर्घटना के घटित होने के 24 घण्टे के अन्दर लिखित रूप में इसकी पुष्टि की जायेगी। हिमाचल प्रदेश के विजली निरीक्षक अथवा किसी अन्य अधिकारी जो कि उसकी सहायता के लिये विशेष रूप से इस कार्य के लिये नियुक्त किया गया हो, के द्वारा निरीक्षण तथा जांच पड़ताल निलम्बित रहने तक लाइसेंसधारी दुर्घटना स्थान में किसी प्रकार का दखल नहीं देगा और न ही दुर्घटना के समय विद्यमान किसी भी विद्युत और मशीनी यन्त्रों, तारों, साज सामान इत्यादि जोकि दुर्घटना के सम्बद्ध हो को हटाएगा।

13. लाइसेंसधारी किसी भी दर्शन में ऐसे व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं देगा जिसने अपना टिकट लाइसेंस प्राप्त स्थान में प्राधिकृत बुकिंग क्लर्क या एजेंट जिसका नाम और व्यवसाय का स्थान पहले ही जिला मैजिस्ट्रेट को अधिसूचित हो वह जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा टिकटों के विक्रय के एजेंट के रूप में सुयोग्य व्यक्ति ठहराया गया हो, को बजाए अन्यथा खरीदा हो।

14. लाइसेंसधारी उस स्थान पर जहां का लाइसेंस दिया गया हो किसी भी ऐसी फिल्म का प्रदर्शन किसी भी अवयस्क के लिये न करेगा और न ही इसकी आज्ञा देगा जो चलचित्रदर्शी अधिनियम, 1918 (1918 का 11) की धारा 6 के अधीन गठित प्राधिकारी द्वारा केवल व्यस्कों के लिए ही जन प्रदर्शन के उपयुक्त मानी गई हो।

टिप्पणी:—यह शर्त उस फिल्म जिसे (ए) प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया हो, की प्रदर्शनी 3 साल से कम आयु के गोदी के बच्चों के लिये निषेध नहीं समझी जायेगी।

15. यौन व्यक्तियों और यौन विकारों को ठीक करने वाली औषधियों या निसंतान को सन्तान प्राप्त करने का आभास कराने की सहायता इत्यादि से सम्बन्धित विज्ञापन सिनेमा घरों में स्लाइडों द्वारा प्रदर्शित नहीं किए जायेगे।

16. चलचित्र फिल्मों से सम्बन्धित इशतहार और चित्रमय प्रचार की सामग्री जोकि फिल्म को यथार्थ रूप में प्रस्तुत करें यह यदि अश्लील न भी हों परन्तु आपत्तिजनक होने का आभास दें व सिनेमा घरों में नहीं दिखाये जायेंगे।

17. फिल्म निम्न स्थानों पर रखी जायेगी:—

(1) ऐसे संग्रहगार जोकि उचित, अज्वलशील सामग्री, जिसके दरवाजे और रोशनद चाहे लकड़ी के हों, जो बाहर की तरफ को खुले, का बना हो; या

(2) निजि भूमि पर लगाए गए तम्बू के अन्दर जोकि किसी निवास स्थान, अन्य भवन, उच्च मार्ग, गली या जन स्थान से कम से कम 7.6 मीटर दूरी पर हों।

18. संग्रहगार किसी भी ऐसे भवन का भाग नहीं होगा या उससे संलग्न नहीं होगा जहां पर कोई व्यक्ति निवास करता हो या जहां लोग किसी उद्देश्य के लिये एकत्रित होते हों, जब तक कि उसे किसी मजबूत पर्श या विभाजक दीवार के द्वारा अलग न किया जाये।

19. यदि संग्रहगार किसी भवन में हो तो वह सीड़ियों के नीचे या किसी अन्य बहिर्गमन स्थान जिसे आग लगने की स्थिति में बचाव के लिये प्रयोग किया जाना अपेक्षित हो, स्थित नहीं होगा।

20. संग्रहगार में पूर्ण रूप से भूमि के स्तर पर और छत के नजदीक वायु संचार की व्यवस्था होगी। सभी रोजनदानों में धातु की जालियां या दीवार के बाहरी भाग पर उसी तरह का आवरण तथा मैस ब्रास नं० 16 की परत या कोई अन्य न घिसने वाली धातु की तारें दीवार के अन्दर की तरफ फिट की जाएंगी।

21. फिल्म आग प्रतिरोधक अलमारी, जिसे अच्छी तरह बन्द किया जा सके, में रखी जायेगी।

22. संग्रहगार अथवा तम्बू किसी अन्य प्रयोजन के लिये प्रयोग नहीं किया जायेगा।

23. (i) सभी कार्य जो फिल्मों के परीक्षण, मुरम्मत, सफाई, बैकसिंग और पुनः रील को चढ़ने से सम्बन्धित को सिर्फ परीक्षण भवन में ही किए जायेंगे और वह कक्ष किसी अन्य कार्य के लिए प्रयोग नहीं किया जायेगा और संग्रहगार के विभाजक दीवार द्वारा अलग किया जायेगा।

(ii) परीक्षण कक्ष केवल अग्नि प्रतिरोधक सामग्री से बनाया जायेगा और इस में उचित रूप से बाहरी बाये का संचार होगा।

(iii) एक समय में एक परीक्षक द्वारा परीक्षण के लिये फिल्म की दो से अधिक रीलें नहीं खोली जायेंगी और एक समय में 10 से अधिक फिल्म की रीलें परीक्षण या मुरम्मत अधीन नहीं होगी।

24. परीक्षण कक्ष में फिल्मों का कूड़ा कर्कट तथा घिसे टुकड़े धातु के एक मजबूत पात्र जो कि कसे हुए कब्जेदार ढक्कन से फिट किया हो और उस पर "फिल्म वैस्ट" शब्द लिखे होंगे में तत्काल रखे जायेंगे और उसे नष्ट किए जाने तक पानी के नीचे रखा जाएगा। इमों के अन्तर्वस्तुओं को पूर्ण सतर्कता से जलाकर अथवा ऐसे दूसरे तरीके से जैसेकि लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाए, से नष्ट किया जायेगा।

25. लाइसेंस प्राधिकारी की पूर्व लिखित स्वीकृति के बिना संग्रहगार या परीक्षण कक्ष में कोई भी परिवर्तन नहीं किया जायेगा। ऐसे स्वीकृत परिवर्तन, संशोधित रेखाचित्र में इस लाइसेंस के साथ संलग्न किए जायेंगे।

26. फिल्म के संग्रह के लिये दो संग्रहगार साथ-साथ तथा एक ही भवन में नहीं होंगे।

27. आग या विस्फोट से दुर्घटना के प्रति हर समय बचाव के लिये उचित सावधानियां बर्ती जायेंगी, और लाइसेंस प्राप्त अहाते में धुम्रपान, आग या ऐसे पदार्थ जोकि फिल्म में आग लगने का कारण बन सकें किसी भी समय लाने की आज्ञा नहीं दी जायेगी।

28. कमरे में फर्नीचर और अन्य वस्तुएं इस तरह रखी जायेंगी कि आग लगने की स्थिति में व्यक्ति आसानी से बाहिर जा सके।

29. कमरे में मोटे अक्षरों में लिखे निम्न पोस्टर लगाए जायेंगे :—

- (i) आग लगने की स्थिति में क्या कार्यवाही की जाये इसके पूर्ण अनुदेश, और
- (ii) आग लगने की स्थिति में कक्ष में से बचाव के साधन के पूर्ण निर्देश।

30. लाइसेंस प्राप्त अहाते में समुचित समयों पर किसी भी मैजिस्ट्रेट या कोई पुलिस अधिकारी जो कि उप-निरीक्षक के पद से कम न हो अथवा जिसे जिला मैजिस्ट्रेट या पुलिस अधीक्षक या विद्युत निरीक्षक द्वारा नियुक्त किया जाए, को प्रवेश की आज्ञा दी जायेगी, और यह निश्चित करने के लिए कि सभी नियमों और शर्तों का पूर्ण रूप से पालन हो रहा है उस अधिकारी को सभी सुविधाएं दी जायेंगी।

31. लाइसेंस प्राप्त अहाते में किसी भी दुर्घटना, आग या विस्फोट की स्थिति में जिससे जानहानि या व्यक्तियों को गम्भीर चोट या सम्पत्ति की हानि हो तो इसकी सूचना तुरन्त निकटतम मैजिस्ट्रेट या निकटतम पुलिस स्टेशन के प्रभारी, अधिकारी को तार द्वारा या टेलीफोन पर जहां पर संचार के यह साधन उपलब्ध हों, दी जायेगी।

32. यदि लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंसधारी को लिखित सूचना द्वारा लाइसेंस प्राप्त अहाते में मुरम्मत का कार्य करने के लिये सूचित करें जो कि ऐसे प्राधिकारी की राय में अहाते के बचाव के लिये आवश्यक है तो लाइसेंसधारी सूचना मिलने की तिथि से एक सप्ताह के अन्दर-अन्दर या जैसाकि सूचना में नियत किया गया हो, उस अवधि में मुरम्मत का कार्य निष्पादन करवाएगा।

33. (क) संग्रहगार कमरे अथवा निरीक्षण कमरे की सारी वस्तियां छत पर होगी तथा स्थिर किस्म की होगी। वे ठोस, बाह्य संरक्षण बाष्प प्रूफ ग्लोबल की सैकिटम (Keyless Sockets) द्वारा सज्जित होगी, सभी स्विच, फ्यूज, प्लग, सोकटम बिजली के मीटर तथा बिजली वितरण बोर्ड परीक्षण कक्ष या संग्रहगार के बाहर लगाए जायेंगे। सभी फ्रेम उचित रूप में जमीन में गाड़ दिए जायेंगे।

(ख) सभी बिजली की तारें तथा दूसरे उपकरण विद्युत अभियन्ता द्वारा निर्मित इलैक्ट्रिक एक्स्पेमेंट आफ बिल्डिंग्स विनियमों के अनुरूप होंगे। सभी बिजली की तारें वायुरहित कसी हुई नालियों में इलैक्ट्रिकल तथा मकैनिकल रूप में निरन्तर तथा सभी स्थानों पर होगी तथा उन्हें भवन के बाहर उचित ढंग से जमीन में दबाया जायेगा।

(ग) परीक्षण कक्ष या संग्रहगार में एक्स्टेंशन बोर्ड पर सुबाह्य विद्युत रोशनी का प्रयोग नहीं किया जायेगा।

34. जिला मैजिस्ट्रेट की पूर्ववर्ती लिखित आज्ञा के बिना लाइसेंस प्राप्त अहाता चलचित्र प्रदर्शन के अतिरिक्त किसी भी अन्य कार्य के लिये प्रयोग नहीं किया जायेगा।

35. लाइसेंसधारी किसी भी फोटो, चित्र या इशतहार को चित्रित नहीं करेगा न ही करवाएगा जिसमें ऐसा दृश्य या चित्र चित्रित हो अथवा चित्रित होने की संभावना हो जिसे फिल्म सेंसर के केन्द्रीय बोर्ड अथवा केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अधीन किसी फिल्म से काट दिया गया हो।

36. (I) जब कभी जनता के लिये अहाते खुले हों तो प्रत्येक प्रवेश द्वार पर स्पष्ट मोटे अक्षरों तथा अंकों में, सारणी के रूप में नोटिस प्रदर्शित किया जायेगा जिसमें :—

- (क) ट्रेलर और विज्ञापन फिल्म के अतिरिक्त प्रत्येक फिल्म का शीर्षक जो उस दिन दिखाई जानी है ;
- (ख) इस तरह की प्रत्येक फिल्म के शुरू होने का लगभग समय ;
- (ग) क्या इस तरह की प्रत्येक फिल्म को केन्द्रीय बोर्ड आफ फिल्म सेंसर से (ए) या (यू) का प्रमाणपत्र दिया हो ; और
- (घ) क्या 3 वर्ष की आयु के बच्चों के अतिरिक्त 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को प्रवेश दिया जायेगा या नहीं।

(II) केन्द्रीय बोर्ड आफ फिल्म सेंसर द्वारा किसी भी फिल्म के लिये प्राप्त प्रमाणपत्र का

स्वरूप अहाते में दिखाई जाने वाली फिल्म के विज्ञापन में अक्षर (यू) अथवा (ए) स्पष्ट रूप से दर्शाये जायेंगे।

37. 18 वर्ष की आयु से कम किसी व्यक्ति को सिवाये रविवार, हिमाचल सरकार द्वारा अधिसूचित अवकाश अथवा किसी ऐसे दिन जब शिक्षा संस्थान बन्द हों, 3 बजे सायं से पहले आरम्भ होने वाली प्रदर्शनी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

फार्म (ख)

हिमाचल प्रदेश सिनेमा विनियमन अधिनियम 1971 के अधीन फिल्म प्रदर्शन के लिये

अस्थाई परमिट

क्योंकि (पूरा नाम तथा पता) ने अपने लाइसेन्स के नवीकरण के लिये प्रार्थना की है और उक्त लाइसेन्स इस प्रार्थना-पत्र के निपटान तक मेरे कार्यालय में है उसे (यहां अहाते का विवरण किया जाये) हिमाचल प्रदेश (विनियमन) अधिनियम, 1979 के अधीन इस तिथि अवधि के लिए हिमाचल प्रदेश सिनेमा (विनियमन) अधिनियम, 1979 के नियम 7 के उपबन्धों के अधीन फिल्म प्रदर्शन की आज्ञा दी जाती है।

दिनांक

ओ० पी० यादव,
सचिव (सा० प्र० वि०),
हिमाचल प्रदेश सरकार।